कोटद्वार, गुरूवार
18 दिसम्बर 2025
वर्ष: 48
अंक: 210 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दो मंजिला मकान में लगी आग, सामान जलकर हुआ राख

विकासनगर। चकराता तहसील के कंधाड गांव में बलदेव सिंह के दो मंजिला मकान में अचानक आग लग गई। आग लगने से मकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने से पीड़ित परिवार के सामने ठंड में सिर छिपाने का संकट खड़ा हो गया है। आग के कारणों का पता नहीं लग पाया है। जानकारी के मुताबिक बुधवार शाम करीब पांच बजे के चकराता तहसील के कंधाड गांव निवासी बलदेव सिंह पुत्र स्व. गुल्लू का दो मंजिला मकान आग लगने से जल गया। गनीमत रही कि उस समय मकान में कोई नहीं था। इससे बड़ा हादसा टल गया।

ग्रामीण अर्जुन सिंह ने बताया कि शाम के समय सभी लोग पशु चराने व खेतों में काम करने गए थे। बच्चे पास में खेल रहे थे। इसी दौरान मकान में आग लग गई। खेतो में काम कर रहे परिजनों ने आग धधकती देखी तो वे मकान की ओर दौड़े। तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। जब तक वे आग बुझाने का प्रयास करते तब तक मकान राख हो गया था। मकान का अधिकांश हिस्सा लकड़ी का बना होने के कारण आग तेजी से फैली। मकान में रखे बर्तन, बिस्तर कपड़े और टीवी आदि राख हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि पीड़ित अनुसूचित जाति का व्यक्ति है। वह आर्थिक रूप से कमजोर है। आग लगने से उनका लाखों का नुकसान हुआ है।

उन्होंने इसकी सूचना तहसील प्रशासन को देकर मुआवजे की मांग की है। तहसीलदार चकराता रूप सिह ने बताया कि संबंधित पटवारी को जांच के लिए निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में चोरगलिया के इलेक्ट्रीशियन की मौत

हल्द्वानी। सितारगंज में मंगलवार रात हुए एक सड़क हादसे में चोरगलिया निवासी इलेक्ट्रीशियन की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि गोविंदपुर, चोरगलिया निवासी 38 वर्षीय जगदीश प्रसाद पेशे से इलेक्ट्रीशियन थे। वह बिजली की फिटिंग या इससे जुड़े काम किया करते थे।

मंगलवार को वह किसी काम के सिलसिले में सितारगंज गए थे। रात सवा आठ बजे के आसपास सितारगंज में उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें जगदीश गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए डॉ.सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि घायल को अस्पताल लाने में ही तीन घंटे लग गए, जिस कारण समय पर इलाज नहीं मिल सका। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया जाता तो जल्दी उपचार मिल सकता था। प्रभारी मेडिकल चौकी बीएस मेहता ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

नेपाली युवक की मौत

रुद्रपुर। लोहियाहेड रोड पर मंगलवार देर रात जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार नेपाली युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया।

बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मंगलवार देर रात मूल बाबाथान नेपाल हाल शिव कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय राहुल पुत्र रमेश बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान लोहियाहेड रोड स्थित पॉलीप्लेक्स फैक्ट्री के पास एक जेसीबी ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, राहुल का परिवार कई वर्ष पहले मजदूरी के लिए नेपाल से खटीमा आया था। राहुल दो भाइयों में छोटा था और मजदूरी करता था।

बड़ा भाई रोहित मुंबई में एक निजी संस्थान में कार्यरत है। मृतक अपने पीछे पत्नी सरिता और पांच वर्षीय पुत्री डिंपल को छोड़ गया है। झनकईया थाना प्रभारी देवेंद्र गौरव ने बताया कि बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जेसीबी चालक की पहचान कर ली गई है। उसकी तलाश की जा रही है।

लोकसभा में पेश हुआ विकसित भारत–जी राम जी बिल

गरीब कल्याण की कई योजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार चला रही है– शिवराज

नई दिल्ली ,केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज लोक सभा में विकसित भारतझ जी राम जी विधेयक– 2025 पेश किया। इसके तहत हर वर्ष में 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी। संसद में शिवराज सिंह ने कहा कि हमारा संकल्प है गरीबों का कल्याण और इसमें उसी संकल्प को पूरा करने का हमने प्रयत्न किया है। न केवल गरीबों का कल्याण बल्कि उसके साथ गांवों का संपूर्ण विकास, जो महात्मा गांधी भी कहते थे– एक संपूर्ण गांव, एक स्वावलंबी गांव, एक विकसित गांव का निर्माण। इसका प्रावधान इसमें किया गया है और केवल प्रावधान ही नहीं, केंद्र सरकार इस पर 95 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि अभी खर्च करने का काम करेगी, यह हमने तय किया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि इसके पहले रोजगार की कई योजनाएं आई। एक योजना का नाम था– जवाहर रोजगार योजना। बाद में कांग्रेस ने ही जवाहर रोजगार योजना का

नाम बदल दिया तो क्या पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का अपमान हो गया? शिवराज सिंह ने कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए कई बार बजट का असमान वितरण होता है, कई पंचायतें विकास में पीछे रह जाती है, इसलिए इसमें पंचायत का ग्रेडेशन करके, जो अविकसित पंचायत है, कम विकसित पंचायत है, उन्हें ज्यादा काम देने का प्रावधान भी किया है। शिवराज सिंह बोले– महात्मा गांधी हमारे दिलों में बसते हैं और महात्मा गांधी जी का, पंडित दीनदयाल जी का ये संकल्प था कि जो सबसे पीछे हैं, जो सबसे नीचे हैं, उनका कल्याण सबसे पहले किया जाए और हम महात्मा गांधी जी की भी मानते हैं और उन्हीं के विचारों पर आधारित, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों पर आधारित गरीब कल्याण की कई योजनाएं ये सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में चला रही है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि जहां तक मनरेगा का सवाल है कांग्रेस और यूपीए तो केवल मनरेगा लेकर आई थी, 2 लाख 13 हजार 220 करोड़ रु. यूपीए सरकार ने मनरेगा पर खर्च किए थे, जबकि हमने 8 लाख 53 हजार 810 करोड़ रु. गरीब कल्याण पर खर्च किए और इस योजना को और मजबूत करने की कोशिश की है, आज भी तकलीफ क्या है, 100 दिन की गारंटी की बजाय हम 125 दिन की गारंटी दे रहे हैं, ये गारंटी कोरी नहीं है, बल्कि उसके लिए 1 लाख 51 हजार 282 करोड़ से ज्यादा रु. की राशि का प्रावधान दिया गया है।

दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, पिकअप में आग लगने से तीन की जिंदा जलकर मौत

अलवर , राजस्थान के अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र में दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर बुधवार अल सुबह एक भीषण हादसा हुआ। रैणी थाना अंतर्गत एक्सप्रेसवे के चैनल नंबर 131.5 पर दिल्ली से जयपुर जा रही एक पिकअप वाहन आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर लगने के तुरंत बाद पिकअप में चिंगारी उठी और देखते ही देखते वाहन आग का गोला बन गया। इस हादसे में पिकअप सवार तीन लोगों की जिंदा जलकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, पिकअप में कुल चार लोग सवार थे। टक्कर के बाद वाहन में आग लग गई और वाहन में बैठे लोग बुरी तरह झुलस गए। सूचना मिलने पर रैणी पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। एनएचएआई की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को तुरंत बाहर निकालकर रैणी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से झुलसे चालक की हालत नाजुक होने पर उसे जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया। तीनों मृतकों के शव को रैणी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। पुलिस के अनुसार हादसे में मृतकों और घायल की पहचान हो गई है। मृतकों की पहचान हरियाणा के बहादुरगढ़ निवासी मोहित, मध्यप्रदेश के सागर निवासी दीपेंद्र और पदम के रूप में हुई है। वहीं, गंभीर रूप से घायल चालक की पहचान हरियाणा के झज्जर निवासी हन्नी के रूप में की गई है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है।

खरसाली में आराध्य देव समेश्वर महाराज मंदिर के कपाट बंद

उत्तरकाशी। मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरसाली गांव में स्थित समेश्वर महाराज मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए विधिवत पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद कर दिए गए हैं। चार महीने बाद बैसाखी के पर्व पर समेश्वर महाराज मंदिर के कपाट पुनः विधिवत श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। समेश्वर महाराज देवता के पुजारी संतोष उनियाल ने बताया है कि पौष मास की संक्रांति के दिन से समेश्वर महाराज के कपाट बंद की प्रक्रिया शुरू हो जाती है और दो गते पौष को मंदिर के कपाट बंद किए जाते हैं। कपाट बंद होने से पहले संक्रांति के पर्व पर क्षेत्र के लोग मंदिर में अपने आराध्य देवता के लिए भेंट चढ़ाने लाते हैं और समेश्वर महाराज को भेंट चढ़ाने के साथ ही क्षेत्र की खुशहाली और सुख शांति के लिए मनोकामना करते हैं तथा दो गते पौष को दोपहर के दौरान देवता की विधिवत पूजा अर्चना की गई और देवता के पश्वा ने इस अवसर पर औतरित होकर क्षेत्र के खुशहाली और सुख शांति का लोगों को आशीर्वाद दिया। जिसके बाद पारंपरिक

परंपरा अनुसार पूजा अर्चना कर समेश्वर महाराज मंदिर के कपाट शीतकाल में चार माह तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। शीतकाल के बाद बैसाखी के पर्व पर सोमेश्वर महाराज मंदिर के कपाट पुनः देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ विधिवत खोल दिए जाएंगे। समेश्वर महाराज गीठ पट्टी क्षेत्र के 12 गांव के आराध्य देवता हैं साथ ही दूर–दूर के श्रद्धालुओं की भी समेश्वर देवता के प्रति अटूट आस्था जुड़ी हुई है और समय–समय पर यहां समेश्वर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचते हैं। समेश्वर महाराज मंदिर के कपाट बंद के इस मौके पर समेश्वर मंदिर समिति के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत, सचिव सूरज तोमर, यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, चैन सिंह रावत, कबूल चंद आदि सहित 12 गांव गीठ पट्टी व बडकोट क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर उत्तराखंड का निर्माण सरकार का संकल्प : धामी

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत 3848 लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे 33.22 करोड़

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत 3848 लाभार्थियों के बैंक खातों में 33.22 करोड़ रुपये की धनराशि का मुख्यमंत्री आवास से ऑनलाइन माध्यम से वितरण किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि उत्तराखंड का युवा नौकरी ढूंढने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनें। कहा कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना राज्य की उन प्रमुख योजनाओं में से एक है, जिसने वास्तविक रूप से पलायन को रोकने, रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के दौरान लौटे प्रवासी, युवा उद्यमी, कारीगर, हस्तशिल्पी एवं शिक्षित बेरोजगार इस योजना के प्रमुख लाभार्थी हैं। योजना के अंतर्गत राज्य के मूल और स्थायी निवासियों को

विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार क्षेत्र में राष्ट्रीयकृत, सहकारी एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। विनिर्माण इकाइयों के लिए 25 लाख तक और सेवा एवं व्यापार इकाइयों के लिए 10 लाख तक की परियोजना लागत अनुमन्य है। योजना के अंतर्गत परियोजना लागत का 15 से 25 प्रतिशत तक मार्जिन मनी उपादान (सब्सिडी) के रूप में प्रदान किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत लगभग 32 हजार लाभार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था, इस योजना से अब तक 35 हजार से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। योजना के तहत अब तक 1,389 करोड़ से अधिक का ऋण वितरण किया गया है, जिससे लगभग 64,966 नए रोजगार सृजित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रमाण है कि योजना केवल कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर सशक्त रूप से कार्य कर रही है। इस अवसर पर सचिव उद्योग विनय शंकर पांडेय, महानिदेशक उद्योग एवं एमडी सिडकुल डॉ. सौरभ गहरवार, उप सचिव शिव शंकर मिश्रा, उद्योग विभाग से अपर निदेशक मृत्युंजय सिंह, संयुक्त निदेशक अनुपम द्विवेदी, दीपक मुरारी, उप निदेशक महावीर सजवान, राजेंद्र कुमार, उद्योग मित्र अभिषेक नैनवाल, अनुराग गुप्ता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से लाभार्थियों से संवाद भी किया। लोहाघाट, चंपावत के कमल सिंह पार्थोली ने कहा कि उन्होंने स्मार्ट लाइब्रेरी के लिए इस योजना के तहत 10 लाख रुपये का लोन लिया। अभी यहां 130 बच्चे पढ़ रहे हैं, वे अब ई-लाइब्रेरी भी बनाएंगे। उधम सिंह नगर के प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने गाड़ी सर्विस के कार्य के लिए 10 लाख रुपये का लोन लिया, वे पहले साइकिल रिपेयरिंग का कार्य करते थे। उत्तरकाशी के जसपाल ने बताया कि उन्होंने फिटनेस क्लब की स्थापना के लिए 10 लाख रुपये का लोन लिया,

गंगनहर में युवक का शव मिला

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में बुधवार को गंगनहर से एक युवक का शव मिला है। जल पुलिस की मदद से शव को बाहर निकलवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। बुधवार को जटवाड़ा पुल के पास गंगनहर में एक शव पानी में बहता हुआ दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना ज्वालापुर कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जल पुलिस कर्मियों की सहायता से शव को नहर से बाहर निकलवाया। शव की तलाशी के दौरान कपड़ों से एक पर्स बरामद हुआ, जिसमें कुछ कागजात और एक बैंक की पर्ची पर मोबाइल नंबर मिला। पुलिस ने नंबर पर संपर्क कर जानकारी जुटाई, जिसके बाद मृतक की शिनाख्त नरेश प्रसाद जोशी (32 वर्ष) निवासी भूपतवाला, हरिद्वार के रूप में हुई। बताया गया कि मृतक मूल रूप से नेपाल का रहने वाला था। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि जांच में सामने आया है कि नरेश प्रसाद जोशी 10 दिसंबर को सप्तऋषि क्षेत्र में ठोकर नंबर एक के पास गंगा में नहाते समय डूब गया था।

मेसी के कार्यक्रम में फजीहत के बाद एक्शन में ममता बनर्जी

खेल मंत्री का इस्तीफा मंजूर, अब खुद संभालेंगी मंत्रालय

कोलकाता , पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फुटबॉल लीजेंड लियोनेल मेसी के कार्यक्रम में हुए भारी हंगामे और अव्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अख्तियार किया है। मुख्यमंत्री ने खेल मंत्री अरूप बिस्वास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और अब वे स्वयं खेल मंत्रालय का जिम्मा संभालेंगी। बिस्वास ने कार्यक्रम में हुई फजीहत के बाद जांच की निष्पक्षता का हवाला देते हुए अपना पद छोड़ने की पेशकश की थी, जिस पर अब मुख्यमंत्री ने अपनी मुहर लगा दी है। तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अरूप बिस्वास का इस्तीफा स्वीकार किए जाने की पुष्टि की। जानकारी के अनुसार, बिस्वास ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा था कि मेसी के कार्यक्रम के दौरान हुई गड़बड़ी की जांच चल रही है, इसलिए वे चाहते हैं कि वे पद से हट जाएं ताकि जांच प्रक्रिया पर कोई सवाल न उठे। इस्तीफे की खबर के बाद से ही राज्य की राजनीति में हलचल तेज थी। दरअसल, इस पूरे विवाद की जड़

पिछले दिनों कोलकाता में आयोजित लियोनेल मेसी का वह कार्यक्रम है, जो भारी बदइंतजामी की भेंट चढ़ गया था। 10 से 15 हजार रुपये तक का महंगा टिकट खरीदने के बावजूद जब फैंस को मेसी की एक झलक भी ठीक से देखने को नहीं मिली, तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। दर्शकों का आरोप था कि आयोजकों ने अपने रिश्तेदारों और जान–पहचान वालों को मेसी के इतने करीब खड़ा कर दिया था कि आम फैंस का व्यू पूरी तरह ब्लॉक हो गया।

इमिग्रेशन नीति पर ट्रंप प्रशासन सख्त

अब इन देशों के लिए अमेरिका के दरवाजे बंद

वाशिंगटन ,अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यात्रा प्रतिबंधों को और सख्त करने का आदेश जारी किया है। अब यह पाबंदी 30 से ज्यादा देशों पर लागू हो गई है। इस आदेश के तहत 20 और देशों के साथ–साथ फिलिस्तीनी अथॉरिटी को भी प्रतिबंध सूची में जोड़ दिया गया है। इस कदम से अमेरिका आने या इमिग्रेट करने वालों पर लगाई गई सीमाएं काफी बढ़ गई हैं। यह फैसला थैंक्सगिविंग वीकेंड के दौरान दो नेशनल गार्ड जवानों पर गोलीबारी के मामले में एक अफगान नागरिक की गिरफ्तारी के बाद लिया गया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कदम अमेरिका में प्रवेश से जुड़े नियमों को और कड़ा करने के लिए उठाया गया है। सरकार का कहना है कि यह फैसला सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है। अधिकारियों ने हाल ही में व्हाइट हाउस

के पास दो नेशनल गार्ड जवानों पर गोलीबारी के आरोपी एक अफगान नागरिक की गिरफ्तारी का भी हवाला दिया। हालांकि, इन प्रतिबंधों में कुछ छूट भी दी गई है। जिन लोगों के पास पहले से वैध अमेरिकी वीजा है, उन पर यह रोक लागू नहीं होगी। स्थायी निवास की अनुमति वाले लोग, राजनयिक, खिलाड़ी और कुछ अन्य श्रेणियों के वीज़ा धारक भी इससे बाहर रखे गए हैं। अगर किसी व्यक्ति का प्रवेश अमेरिका के हित में माना गया, तो उसे अनुमति मिल सकती है। सरकार ने यह नहीं बताया है कि ये नए नियम कब से लागू होंगे।ट्रंप ने पहली बार ऐसे यात्रा प्रतिबंध जून में लगाए थे। तब 12 देशों के नागरिकों को अमेरिका में प्रवेश से पूरी तरह रोका गया था और सात देशों पर आंशिक पाबंदी लगाई गई थी। यह नीति ट्रंप के पहले कार्यकाल की चर्चित नीति की याद दिलाती है। जून के प्रतिबंध में अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल थे। बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला पर आंशिक प्रतिबंध लगाए गए थे। मंगलवार को, प्रशासन ने बुर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान और सीरिया को पूर्ण–प्रतिबंध सूची में जोड़ा। फ़िलिस्तीनी अथॉरिटी के दस्तावेजों पर भी पूरी रोक लगा दी गई है।

नोएडा प्राधिकरण का प्रदूषण पर सख्त रुख, ग्रैप–4 के पालन को लेकर प्रशासन अलर्ट

नोएडा ,खराब वायु गुणवत्ता को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने ग्रैप–4 के सख्त पालन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक की अध्यक्षता प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम ने की। इसमें प्राधिकरण के सभी वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन के प्रतिनिधि, आईटी कंपनियों, स्कूलों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। बैठक में केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में 15 दिसंबर को हुई बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन पर जोर दिया गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि नोएडा में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करें। वाहनों से होने वाले प्रदूषण को प्रमुख कारण बताते हुए ई–व्हीकल को बढ़ावा देने, चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने, पुराने और बीएस– मानक से नीचे के वाहनों को अपग्रेड करने के निर्देश दिए गए।

इथियोपिया में गूंजा 'वंदे मातरम, विदेशी कलाकारों की प्रस्तुति देख झूम उठे पीएम मोदी

नई दिल्ली , इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित विशेष भोज के दौरान इथियोपियाई गायकों ने भारत के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम् की बेहद सुरीली और मनमोहक प्रस्तुति दी। विदेशी धरती पर और विदेशी कलाकारों के मुख से अपनी संस्कृति के ये स्वर सुनकर प्रधानमंत्री मोदी बेहद भावुक और उत्साहित नजर आए। उन्होंने तालियां बजाकर कलाकारों का हौसला बढ़ाया और इस पल को यादगार बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस खास पल का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री अबी अहमद अली द्वारा आयोजित डिनर में

इथियोपियाई गायकों द्वारा 'वंदे मातरम् का गायन सुनना एक अत्यंत भावुक क्षण था, वो भी ऐसे समय में जब भारत 'वंदे मातरम् रचना के 150 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है।

गौरतलब है कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित इस गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर भारत में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और संसद के शीतकालीन सत्र में भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर चर्चा की गई थी। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इथियोपिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया् से नवाजा गया। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए पीएम मोदी ने इथियोपियाई सरकार और वहां के लोगों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया।

भगोड़े नीरव मोदी को लगा झटका, भारत के आश्वासन के बाद प्रत्यर्पण के खिलाफ सुनवाई मार्च 2026 तक टली

नई दिल्ली ,भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को लेकर भारत प्रत्यर्पण से जुड़ा मामला एक बार फिर लंबा खिंच गया है। ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने उसकी प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील दोबारा शुरू करने की याचिका पर सुनवाई मार्च 2026 तक के लिए स्थगित कर दी है। अदालत का यह फैसला भारत सरकार की ओर से नीरव मोदी की हिरासत और जेल में रखे जाने की परिस्थितियों को लेकर दिए गए नए और विस्तृत आश्वासनों के बाद आया है।

मामले की सुनवाई लंदन के रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस में हुई, जहां लॉर्ड जस्टिस जेरेमी स्टुअर्ट–स्मिथ और जस्टिस रॉबर्ट जे की पीठ ने शुरुआती टिप्पणी में कहा कि यह मामला उन्हें पहले की सुनवाइयों की याद दिला रहा है, क्योंकि

नीरव मोदी इससे पहले भी कई बार प्रत्यर्पण रोकने की कोशिश कर चुका है। अदालत ने माना कि भारत सरकार ने प्रत्यर्पण के बाद मुंबई की आर्थर रोड जेल में प्री–ट्रायल हिरासत को लेकर ठोस और भरोसेमंद आश्वासन पेश किए हैं, जिन पर आगे विचार किया जाना है। भारत सरकार की ओर से पेश क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस ने दलील दी कि नीरव मोदी की मौजूदा याचिका एक अलग और गोपनीय कानूनी प्रक्रिया के खत्म होने के तुरंत बाद दायर की गई है। सुनवाई के दौरान संकेत मिले कि यह प्रक्रिया, जिसे संभावित शरण आवेदन से जोड़ा जा रहा था, संभवतः अगस्त में ही खारिज हो चुकी थी। हाई कोर्ट ने मामले के लिए स्पष्ट समय–सीमा तय करते हुए निर्देश दिया कि फरवरी 2026 के मध्य तक दोनों पक्षों को अपनी लिखित दलीलें दाखिल करनी होंगी। इसके बाद मार्च या अप्रैल 2026 में दो दिन की सुनवाई होगी, जिसमें यह फैसला किया जाएगा कि अपील को दोबारा खोलने की इजाजत दी जाए या नहीं। अदालत ने यह भी साफ किया कि यदि नीरव मोदी को अनुमति नहीं मिलती है, तो उसके भारत प्रत्यर्पण का रास्ता बिना किसी अतिरिक्त देरी के खुल जाएगा। सुनवाई के दौरान 54 वर्षीय नीरव मोदी उत्तर लंदन की पेंटनविल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुआ और कार्यवाही के दौरान नोट्स बनाता नजर आया। श्क्क्स् ने अदालत को बताया कि इस मामले की सुनवाई के लिए भारत से श्क्क्क्क्ष् और प्रवर्तन निदेशालय के चार वरिष्ठ अधिकारी भी लंदन में मौजूद थे। नीरव मोदी के वकीलों ने अपने बचाव में रक्षा सलाहकार संजय भंडारी के प्रत्यर्पण मामले का हवाला दिया, जिसे इस साल मानवाधिकार के आधार पर राहत मिली थी।

गिरफ्तारी के बाद पहली बार दिखा अमृतपाल

चंडीगढ़ ,पंजाब के खडूर साहिब से सांसद और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में अपनी जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए पेश हुआ। साल 2023 में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (ह्र्स्र) के तहत हिरासत में लिए जाने के बाद यह पहला मौका था जब उसकी कोई सार्वजनिक तस्वीर सामने आई है। वकीलों की हड़ताल के चलते अमृतपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए खुद ही अपना पक्ष रखा और अदालत को बताया कि उसके जेल में रहने से उसके संसदीय क्षेत्र का विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद अमृतपाल सिंह ने चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी की बेंच के सामने अपनी दलीलें पेश कीं।

भारत–रूस के बीच नई एयर डिफेंस डील की आहट

पेन्टसर–एस1एम सिस्टम खरीदने की तैयारी, थर–थर कांपेंगे चीन–पाक

बीजिंग , भारत की सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। एक ओर पाकिस्तान, दूसरी ओर चीन और अब बांग्लादेश के साथ भी तनावपूर्ण हालात ने देश की रणनीतिक चिंताओं को और गहरा कर दिया है। ऐसे में पूर्व से पश्चिम और उत्तर तक भारत की सीमाओं को अभेद्य किले में तब्दील करना समय की मांग बन गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस आवश्यकता को और गंभीरता से महसूस किया जा रहा है, खासकर हवाई खतरों से निपटने के मोर्चे पर। इसी दिशा में इंडियन एयरफोर्स, थल सेना और

नौसेना लगातार अपने एयर डिफेंस नेटवर्क को मजबूत करने में जुटी हैं। स्वदेशी तकनीक के साथ–साथ आयातित एयर डिफेंस सिस्टम पर भी भरोसा जताया जा रहा है। भारत पहले ही रूस से स–400 एयर डिफेंस सिस्टम के कुछ स्क्वाड्रन खरीद चुका है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी प्रभावशीलता साबित की।

सम्पादकीय

बंजर भूमि पर टैक्स

पलायन की त्रासदी झेल रहे उत्तराखंड के पहाड़ों में बंजर पड़ी भूमि को लेकर एक नया विवाद उत्पन्न हो रहा है। एक विधायक द्वारा पहाड़ों की बंजर पड़ी भूमि पर टैक्स लगाने की नसीहत देने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इन जमीनों के बंजर होने का जिम्मेदार कौन है? उत्तराखंड क्रांति दल ने इस प्रकार की नसीहत देने वालों पर सवाल खड़े किए हैं जो की व्यवहारिक भी हैं क्योंकि जब जनप्रतिनिधि अपने पहाड़ और भूमि को छोड़कर महानगरों की शरण ले चुके हैं तो फिर आखिर पहाड़ों में रहेगा कौन? असल में बीजेपी के कुछ विधायक आज पहाड़ में बंजर खेतों पर टैक्स लगाने की बात कर रहे हैं। सवाल सीधा है जिन्होंने मजबूरी में खेती छोड़ी, पलायन झेला, वही दोषी माना जा रहा है। जालंधर मुद्दा तो यह है कि जो लोग खुद खेत–खलिहान छोड़कर गांव खाली कर गए, जिन्होंने अपने खेत खलिहान और पूर्वजों को घरों से मुंह मोड़ कर संपूर्ण सुविधाओं से लेस नगरों में घर बना लिए, जिन्होंने पहाड़ की जमीन से रिश्ता तोड़ा उन पर कौन–सा टैक्स लगेगा? मुद्दा यह है कि आखिर पहाड़ों की खेती बंजर क्यों हो गई है?

खेती के बंजर होने का कारण पहाड़ों में रहने वाले लोग नहीं है बल्कि इसका असली मूल कारण पहाड़ों में सुविधाओं का अभाव है। खेती बंजर इस लिए हुई है क्योंकि सिंचाई के पर्याप्त संसाधन खेतों तक पहुंचाने में अब तक की 25 वर्षों की सभी सरकार असफल साबित हुई है। जो लोग हिम्मत करके पहाड़ों में खेती कर रहे हैं उनकी खेती का नुकसान जंगली जानवर कर देते हैं जिस कारण पहाड़ों के किसान खेती करने की अब हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। किसी भी खेती और उसमें पकने वाली फसल के बाद उसके वितरण और मंडी का प्रबंधन एक महत्वपूर्ण कड़ी है जिसका पहाड़ों में पूरी तरह से अभाव है। यहां तक की पहाड़ों में पैदा की जाने वाली फसल का समर्थन मूल्य तक तय नहीं है तो इन परिस्थितियों में फसल को किस मूल्य पर किसान बाजार में बेचे यह एक बड़ा प्रश्न है। ऐसा नहीं है कि पहाड़ों की फसलों की डिमांड नहीं है बल्कि हालात यह है कि अब दूसरे राज्यों से तोर और कुलत जैसी दाल, जो की पहाड़ों की पहचान हुआ करती थी, वह अब पहाड़ी दालों के नाम पर महंगे दामों पर बेची जा रही है। उत्तराखंड के पहाड़ों में खेती के विकास का बुरा हाल यूं ही नहीं हुआ है। आज भी पहाड़ मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे हैं। जब सरकारों ने पहाड़ों में खेती के लिए सुविधा और प्लेटफार्म ही तैयार नहीं किया तो फिर उनकी बंजर पड़ी भूमियों पर टैक्स की बात करना कहां तक न्याय संगत है? सरकार को अपनी नीतियों पर मंथन करना चाहिए और इस बात को अच्छी तरह से अपने जहन में उतार लेना चाहिए कि विकास के मायने केवल मैदानी क्षेत्रों में सड़के और आलीशान इमारत से नहीं मापा जा सकता। उत्तराखंड के लिए पलायन एक बहुत बड़ी समस्या बन चुका है और इसी का कारण है कि बड़ी संख्या में गांव खाली हो चुके हैं। गांव ही आबाद नहीं होगा तो खेती कौन करेगा? टैक्स की बात करनी है तो उन लोगों पर करें जो पहाड़ों को छोड़कर, खासतौर से इनमें जनप्रतिनिधियों को सम्मिलित किया जाना चाहिए, जो शहरों में घर बना कर रह रहे हैं। पहाड़ों की बंजर भूमि पर टैक्स लगाने की बात करना एक ना समझी कि बात करने जैसा है। जो लोग यह सोच रहे हैं कि बंजर भूमियों पर टैक्स लगाकर पहाड़ को बचा लेंगे तो यह उनकी भारी भूल है। पहाड़ों में रहने वाले लोग और उनकी जमीनों को अगर बचाना है तो इसका समाधान टैक्स लगाने से नहीं बल्कि पहाड़ों के लिए उन्नतशील नीतियां एवं योजनाएं बनाने से ही निकल सकता है। लेकिन प्रश्न फिर वही खड़ा हो जाता है की तमाम नेता और विधायक जो पहाड़ों से जीत कर आते हैं वह खुद अपने मूल ग्रामीण क्षेत्रों में एक रात बिताने को तैयार नहीं है तो फिर वह किस आधार पर बंजर भूमि पर टैक्स लगाने जैसी तर्कहीन नसीहतें देते फिर रहे हैं।

आकाश में उड़ान भरना जोखिम भरा

रजनीश कपूर

इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी भारतीय एयरलाइनों को, जो कि ए320 पर निर्भर हैं, इस संकट से सबक लेना चाहिए। लागत कम करने के चक्कर में सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं करना चाहिए। एयरलाइनों को विविधीकरण अपनाना चाहिए, केवल एक निर्माता पर निर्भर न रहें।

हवाई यात्रा ने आधुनिक युग में दुनिया को गांव बनाया है। यह न केवल यात्रियों को दुनिया के कोने–कोने से जोड़ती है, बल्कि व्यापार, पर्यटन और वैश्विक अर्थव्यवस्था का रफ्तार बनाती है। लेकिन क्या नागरिक उड्डयन उद्योग उतना मजबूत है जितना दिखता है? हाल के वर्षों में, विभिन्न संकटों ने इसकी कमजोरियों को उजागर किया है। 2025 में एयरबस के हालिया संकट ने इस बहस को फिर से जीवित कर दिया है।

एयरबस, जो बोइंग के साथ मिलकर विश्व के अधिकांश यात्री विमानों का निर्माण करता है, ने हाल में अपने ए320 फैमिली एयरक्राफ्ट में एक गंभीर सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी की वजह से वैश्विक स्तर पर उथल–पुथल मचा दी है। इससे कई सवाल उठने लगे कि क्या हवाई यात्राएँ सुरक्षित हैं?

नवंबर 2025 में, एयरबस ने घोषणा की कि ए320 फैमिली के एक विमान में हुई घटना के विश्लेषण से पता चला कि तीव्र सौर विकिरण (रेडिएशन) महत्वपूर्ण डेटा को बिगाड़ सकता है। यह गड़बड़ी फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम को प्रभावित करती है, जो विमान की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। परिणामस्वरूप, कंपनी ने लगभग 6,000 ए320 सीरीज के विमानों के लिए तत्काल सॉफ्टवेयर अपडेट और पूर्व–सतर्कता कार्रवाई का आदेश दिया। इसने वैश्विक विमान यात्राओं में भारी व्यवधान पैदा किया। हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंस गए, उड़ानें रद्द हुईं और एयरलाइनों को करोड़ों का नुकसान हुआ। दिसंबर की शुरुआत तक, एयरबस ने दावा किया कि अधिकांश विमानों को ठीक कर लिया गया है, लेकिन अभी भी कई विमानों पर काम चल रहा है।

इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि सॉफ्टवेयर समस्या के ठीक बाद, कंपनी ने ए320 के कुछ विमानों के धातु पैनलों में औद्योगिक गुणवत्ता की समस्या पाई, जो फ्यूजलेज को प्रभावित करती है। यह कुछ ही विमानों तक सीमित है, लेकिन यह दर्शाता है कि एक समस्या दूसरी को जन्म दे सकती है। यह संकट हवाई उद्योग की कमजोरियों को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। सबसे बड़ी कमजोरी है बाजार का एकाधिकार। एयरबस और बोइंग मिलकर 90त्न से अधिक यात्री विमानों का उत्पादन करते हैं। यदि एक कंपनी में कोई समस्या आती है, तो पूरा उद्योग प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए, 2019 में बोइंग 737 मैक्स की दुर्घटनाओं ने पूरे उद्योग को हिला दिया था और अब एयरबस का संकट उसी कड़ी का हिस्सा लगता है। दूसरी कमजोरी है तकनीकी निर्भरता। आधुनिक विमान सॉफ्टवेयर, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर आधारित हैं। सौर विकिरण जैसी बाहरी घटनाएं, जो जलवायु परिवर्तन के साथ बढ़ रही हैं, इन सिस्टमों को प्रभावित कर सकती हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी भी एक बड़ा मुद्दा है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में हवाई यात्रा में 5त्न की वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन एयरबस संकट ने इसे प्रभावित किया। एयरलाइनों की लाभप्रदता कम हो गई और निवेशकों का विश्वास डगमगाया। पर्यावरणीय दबाव भी बढ़ रहा है; कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रयासों में, नई तकनीकों को अपनाने में जोखिम है। कुल मिलाकर, यह उद्योग एक जटिल जाल में फंसा है जहां एक छोटी गड़बड़ी वैश्विक संकट पैदा कर सकती है। वहीं नियामक संस्थाएं जैसे यूरोपीय यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए), फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) अमेरिका में और भारत में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) उद्योग के मानकों को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। एयरबस संकट में, ईएएसए ने तत्काल कार्रवाई की मांग की और सॉफ्टवेयर अपडेट को अनिवार्य किया। नियामकों का काम है विमानों के डिजाइन, निर्माण और संचालन की जांच करना। वे सर्टिफिकेशन प्रक्रिया के माध्यम से सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी नया विमान या अपडेट सुरक्षा मानकों को पूरा करे। लेकिन क्या वे पर्याप्त हैं?

बोइंग 737 मैक्स मामले में एफएए की आलोचना हुई कि उन्होंने निर्माता पर ज्यादा भरोसा किया। एयरबस मामले में भी, यदि सौर विकिरण की समस्या पहले पता चल जाती, तो संकट टाला जा सकता था। नियामकों को अधिक सक्रिय होना चाहिए, नियमित ऑडिट, स्वतंत्र जांच और उभरते जोखिमों जैसे साइबर हमलों या ट्रीय होते हैं। भारत जैसे विकासशील देशों में, डीजीसीए को मजबूत बनाना चाहिए ताकि स्थानीय एयरलाइनों पर सख्ती से मानक लागू हों। नियामकों की भूमिका न केवल संकट प्रबंधन में है, बल्कि सकारात्मक उपायों में भी, जो उद्योग की कमजोरियों को कम कर सकती है और हवाई यात्राओं को सुरक्षित बना सकती है।

एयरलाइनों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वे अंतिम उपयोगकर्ता हैं और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाती हैं। एयरबस संकट में, अमेरिकन एयरलाइंस जैसी कंपनियों ने तत्काल अपने बेड़े को अपडेट किया। एयरलाइनों को नियमित रखरखाव, पायलट प्रशिक्षण और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर जोर देना चाहिए। वे निर्माताओं से पाट्र्स और अपडेट प्राप्त करती हैं, लेकिन अपनी जांच भी करनी चाहिए। उदाहरण के लिए, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी भारतीय एयरलाइनों को, जो कि ए320 पर निर्भर हैं, इस संकट से सबक लेना चाहिए। लागत कम करने के चक्कर में सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं करना चाहिए। एयरलाइनों को विविधीकरण अपनाना चाहिए, केवल एक निर्माता पर निर्भर न रहें। साथ ही, यात्री संचार में पारदर्शिता रखें, ताकि विश्वास बना रहे। कुल मिलाकर, एयरलाइनों की जिम्मेदारी है कि वे नियामकों के साथ मिलकर मानकों को लागू करें और संकटों में त्वरित प्रतिक्रिया दें। एयरबस संकट ने साबित किया कि हवाई उद्योग कितना संवेदनशील है। तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से घिरा हुआ है। लेकिन मजबूत नियामक ढांचा और जिम्मेदार एयरलाइंस इसकी रक्षा कर सकती हैं। सरकारों को अनुसंधान में निवेश करना होगा, उद्योग को अधिक लचीला बनाना होगा, ताकि भविष्य के संकटों से निपटा जा सके। आखिरकार सुरक्षा सवोपरि है, क्योंकि आकाश में उड़ान भरना जोखिम भरा है, लेकिन इसे सुरक्षित बनाना सभी की जिम्मेदारी है।

भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरी है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में 40 विदेशी मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है।रुपया गिरते– गिरते एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 90 की मनोवैज्ञानिक संख्या को पार कर गया है। मुद्रा की गिरती कीमत के साथ विनिमय बाजार में देश में उत्पादित सामग्रियां सस्ती होती हैं। उनके परिणामस्वरूप श्रम एवं लागत सामग्री का मूल्य गिरता है। इस तरह यह कुल मिलाकर संबंधित देश में जीवन स्तर को नीचे ले जाता है। भारत के साथ अभी ये बात इसलिए अधिक गंभीर हो गई है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरती चली जा रही है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में ऐसी 40 मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है। सबसे ज्यादा– 15.4 प्रतिशत– कीमत यूरो की तुलना में गिरी है। अमेरिकी डॉलर की तुलना में ये गिरावट 6.1 फीसदी रही है। बताया गया है कि अक्टूबर में भारतीय निर्यात में 41 बिलियन डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड गिरावट की खबर आने के बाद गिरावट की रफ्तार तेज हो गई। इससे जाहिर हुआ कि चालू खाता और पूंजी खाता दोनों में भारत को विदेशी मुद्रा गंवानी पड़ रही है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शेयर बाजार के नकदी सेगमेंट से इस वर्ष 17 बिलियन डॉलर से अधिक निकाल चुके हैं। बहरहाल, ये फौरी वजहें हैं। असल मुद्दा दीर्घकालिक रुझान का है। अभी गुजरे हफ्ते ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विनिमय दर व्यवस्था को घुटना–टेक (क्रउल–लाइक) श्रेणी में डाल दिया। इसके पहले वह इसे फ्लोटिंग से गिराकर स्थिरकृत (स्टैबलाइज्ड) श्रेणी में रखा हुआ था। फ्लोटिंग श्रेणी में मुद्रा अपनी ताकत से अपना मूल्य बनाए रखती है। स्टैबलाइज्ड श्रेणी वह होती है, जिसमें सेंट्रल बैंक अपने हस्तक्षेप से रुपये की एक निश्चित कीमत बरकरार रखता है। जब सेंट्रल बैंक ऐसा करने की इच्छाशक्ति खो देता है, तो आईएमएफ मुद्रा को क्रउल–लाइक श्रेणी में रखता है। कुल मिलाकर मुद्रा का मूल्य अर्थव्यवस्था की मूलभूत शक्ति का आईना है। अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाएं बढ़ा रखी हैं। उसके परिणामस्वरूप चालू एवं पूंजी खातों की सूरत बिगड़ी है। उसकी झलक रुपये की कीमत में दिख रही है। कुल मिलाकर भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी है।

भारत और रूस की दोस्ती असीमित

कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? उधर रूस और चीन के हित एक दूसरे के संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। नई दिल्ली आने से ठीक पहले व्लादीमीर पुतिन ने भारत– रूस के संबंध के बारे में अपना टेम्पलेट सामने रखा है। उन्होंने संदेश दिया कि वे भारत से वैसी ही 'असीमित दोस्तीझ चाहते हैं, जैसी उन्होंने चीन के स्थापित की है। पुतिन ने कहा– 'चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हमने आर्थिक मुद्दों पर ठोस वार्ता कायम की है। भारत यात्रा के दौरान हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन मुद्दों पर विस्तार से बातचीत करेंगे। इनमें रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों का आयात बढ़ाना भी शामिल है। यही संदेश देने के लिए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भारतीय पत्रकारों से ऑनलाइन बातचीत की। उन्होंने कहा– 'हमारा चीन के साथ असीमित सहयोग बना है। भारत के बारे में भी हमारा वही रुख है। रूस वहां तक जाने को राजी है, जहां तक भारत तैयार होझ पेस्कोव ने संकेतों में यह भी कहा कि भारत को रूस से अपने संबंध तय करने में अमेरिकी हस्तक्षेप का ख्याल नहीं करना चाहिए। उन्होंने एस–400 मिसाइल रक्षा प्रणाली और सुखोई–57 लड़ाकू विमान भारत को बेचने की पेशकश की। उम्मीद जताई भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा। मगर भारत में चिंता यह है कि ये रूसी मंशाएं पूरी हुईं, तो उसका खराब असर अमेरिका से रिश्तों पर पड़ेगा। फिर बढ़ते व्यापार घाटे की भारत की अपनी चिंताएं भी हैं। भारत इस समय रूस को जितना निर्यात करता है, उससे लगभग 17 गुना ज्यादा आयात कर रहा है। इसके अलावा अप्रैल 2000 से सितंबर 2025 तक भारत में प्रत्यक्ष रूसी निवेश महज 1.33 बिलियन डॉलर का हुआ, जबकि रूस में 12.8 बिलियन डॉलर का भारतीय निवेश हुआ है।

बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में विफल

कंपनी मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने लोकसभा में बताया है कि पहले दो चरणों में सिर्फ 33,300 नौजवानों ने इंटर्नशिप स्वीकार की। उनमें से 6,618 ने बीच में ही इसे छोड़ दिया। पहले चरण में कंपनियों ने 82 हजार और दूसरे चरण में 83 हजार इंटर्नशिप के ऑफर दिए। यानी अवसर एक लाख 65 हजार थे, जबकि सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। छोड़ने वालों में बड़ी संख्या उन इंटर्न्स की रही, जिन्होंने कार्यस्थल दूर होने या परिवहन सुविधाजनक ना होने को अपने फैसले की वजह बताया।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत अवसर एक लाख 65 हजार थे, लेकिन सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया।

यह कहना शायद जल्दबाजी हो कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना फेल हो गई है। फिर भी यह तो कहा ही जाएगा कि ज्यादातर बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में यह विफल रही है। यह बात की पुष्टि खुद संसद में पेश सरकारी आंकड़े करते हैं। कंपनी मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने लोकसभा में बताया है कि पहले दो चरणों में सिर्फ 33,300 नौजवानों ने इंटर्नशिप स्वीकार की। उनमें से 6,618 ने बीच में ही इसे छोड़ दिया। पहले चरण में कंपनियों ने 82 हजार और दूसरे चरण में 83 हजार इंटर्नशिप के ऑफर दिए।

यानी अवसर एक लाख 65 हजार थे, जबकि सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी

लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। छोड़ने वालों में बड़ी संख्या उन इंटर्न्स की रही, जिन्होंने कार्यस्थल दूर होने या परिवहन सुविधाजनक ना होने को अपने फैसले की वजह बताया। गौरतलब है कि पिछले लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र ने बड़े धूम–धड़ाके से यह योजना घोषित की थी। इसके तहत इंटर्नशिप लेने वाले नौजवानों को एक बार छह हजार रुपए के भुगतान के अलावा 12 महीनों तक पांच हजार रुपए का भत्ता देने का प्रावधान है। सरकार ने कहा था कि इस योजना के तहत पांच वर्ष में एक करोड़ नौजवानों को ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे रोजगार का कौशल हासिल कर सकें।

मगर पहले दो वर्ष में योजना पर अमल के जो आंकड़े सरकार ने दिए हैं, जाहिर है, वे निराशाजनक हैं। कारण बुनियादी है। बेरोजगारी की समस्या ऐसी मरहम–पट्टी से दूर नहीं होने वाली है। इसके लिए आर्थिक सोच में आमूल परिवर्तन करना होगा। उत्पादन एवं वितरण से संबंधित वास्तविक अर्थव्यवस्था तथा मानव विकास में लगातार निवेश हो, इसे सुनिश्चित करना होगा। मूलभूत क्षेत्रों में निवेश की कमी भारत में बेरोजगारी का प्रमुख कारण है। पिछले लोकसभा चुनाव में अचानक यह समस्या सतह पर उभरती नजर आने लगी। तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इस योजना के जरिए समाधान का संदेश देने की कोशिश की। लेकिन गंभीर मसलों से सचमुच आंख मिलाने की इच्छाशक्ति ना हो, तो ऐसे संदेश बेअसर ही साबित होते हैं।

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का दूसरा गाना 'तेनु ज्यादा मोहब्बत रिलीज़

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरीझ का प्यार अब पूरी दुनिया में छा गया है। पहले टाइटल ट्रैक और फिर हम दोनों के बाद अबमेकर्स ने तीसरा ट्रैक 'तेनु ज़्यादा मोहब्बतझ रिलीज़ कर दिया है, जिसने फैंस के दिलों में एक नया जोश पैदा कर दिया है। यह गाना तलविंदर की आवाज़ में है और प्यार में होने वाले दर्द और टूटे दिल की कहानी बयां करता है। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की केमिस्ट्रीइस ट्रैक में और भी निखरी है, वहीं क्रोएशिया के खूबसूरत लोकेशन्स ने गाने के विजुअल्स को और भी आकर्षक बना दिया है। इस गाने में प्यार केउतार–चढ़ाव और दिल टूटने की भावनाओं को बेहद सजीव तरीके से दिखाया गया है, जो इसे साल का ब्रेकअप एंथम बनने की

पूरी काबिलियत देताहै। गाने को विशाल और शेखर ने कंपोज़ किया है और कुमार ने इसके बोल लिखे हैं। तलविंदर ने अपने अनुभव के बारे में साझा किया, तेनु ज़्यादामोहब्बत मेरे दिल के बहुत करीब है। तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का हिस्सा बनना और करण जौहर और कार्तिक आर्यन के साथ इसे बनाना बहुत खास अनुभव है। यह ट्रैक धर्मा प्रोडक्शंस और नमः पिक्चर्स के सहयोग से सारेगामा द्वारा रिलीज़ किया गया है। फिल्म को करण जौहर, अदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंत्री केडिया, किशोर अरोड़ा और भूमिका तिवारी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म अपने शानदार विजुअल्स, दिल को छू लेने वाली कहानी औरसिनेमैटिक अनुभव के लिए दर्शकों से बड़ी उम्मीदें रखती है।

काजल अग्रवाल आर्या सीरीज़ के तेलुगु रूपांतरण में मुख्य भूमिका निभाएंगी

काजल अग्रवाल सुष्मिता सेन की हिट हिंदी वेब सीरीज़ आर्या के ऑफिशियल अडैप्टेशन विशाखा के साथ तेलुगु इंडस्ट्री में ज़ोरदार वापसी करने वाली हैं। जियोहॉटस्टार के साउथ अनबाउंड इवेंट में अनाउंस की गई विशाखा, साउथ इंडियन भाषाओं में 25 नए प्रोजेक्ट्स का हिस्सा है, जो जियोहॉटस्टार का रीजनल कहानियों पर ज़ोर दिखाता है।

एक दिल छू लेने वाले बयान में, काजल ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के लिए अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा, साउथ इंडस्ट्री ने मुझे सिर्फ़ काम नहीं दिया, बल्कि एक घर दिया। जो चीज़ हमेशा बनी रही है, वह है इसकी कहानियों में ईमानदारी और भावना। वह यह देखकर उत्साहित हैं कि जियोहॉटस्टार अपने प्रोजेक्ट्स में असलियत और क्रिएटिविटी को सेलिब्रेट कर रहा है।

तस्करों की कहानी लेकर आ रहे नीरज पांडे

'स्पेशल ऑप्स जैसी सीरीज और 'स्पेशल 26झ व 'ए वेडनेसडे जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक नीरज पांडे एक नई सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में इमरान हाशमी और शरद केलकर जैसे सितारे नजर आएंगे। आज सीरीज की घोषणा हो गई है। साथ ही सीरीज का टीजर कब आएगा ये भी बता दिया गया है। इमरान हाशमी अब एक नई सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'तस्करीः द स्मगलर्स वेबझ। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। आज सीरीज की घोषणा करते हुए मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सीरीज की शूटिंग के दौरान की झलक देखने को मिलती है। जिसमें निर्देशक नीरज पांडे डायरेक्शन करते नजर आते हैं। साथ ही इमरान हाशमी और शरद केलकर समेत सीरीज की स्टारकास्ट अलग–अलग सीन में नजर आती है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि यह सीरीज एक्शन–सस्पेंस–थ्रिलर होने वाली है।

कैमरून बने आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी

अबू धाबी ,कैमरून ग्रीन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें आगामी सीजन के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25 करोड़ 20 लाख रूपए में अपने साथ जोड़ा है।

इतने रूपए में खरीदें गए ये खिलाड़ी

चमकी पाथिराना की किस्मत, केकेआर ने 18 करोड़ में खरीदा

श्रीलंका के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मथिशा पाथिराना को केकेआर ने 18 करोड़ रूपये की बड़ी कीमत देकर अपने साथ जोड़ा है।

नमन तिवारी को रुस्र ने खरीदा

नमन तिवारी अभी तक भारत के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं, फिर भी राजस्थान रॉयल्स और लखनऊसुपर जायंट्स ने उनके लिए जमकर बोली लगाई। उनका बेस प्राइस 30 लाख रूपये था, लेकिन लखनऊ ने उन्हें 1 करोड़ में खरीदा है।

कार्तिक त्यागी को केकेआर ने खरीदा

तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल हो गए हैं। उन्हें केकेआर ने उनके बेस प्राइस 30 लाख रूपये में खरीदा है। केकेआर के अलावा किसी फ्रेंचाइजी ने उनके लिए बोली नहीं लगाई।

गुजरात टाइटंस में शामिल हुए अशोक शर्मा

अशोक शर्मा घरेलू क्रिकेट में राजस्थान के लिए खेलते हैं। वह एक ऑलराउंडर हैं। इस मिनी ऑक्शन में उनका बेस प्राइस 30 लाख रूपये था, जहां राजस्थान और कोलकाता ने उनके लिए बोली लगाई। अंत में गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख में खरीदा है। यह गुजरात के लिए इस मिनी ऑक्शन में पहली खरीद है।

तेजस्वी सिंह केकेआर में हुए शामिल

तेजस्वी सिंह को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 3 करोड़ रूपये में खरीदा था। इस ऑक्शन के लिए उनका बेस प्राइस 30 लाख रूपये था।

रुस्र में शामिल हुए मुकुल चौधरी

राजस्थान के विकेटकीपर बल्लेबाज मुकुल चौधरी को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2.60 करोड़ में खरीदा है। उनका बेस प्राइस 30 लाख रूपये था।

कार्तिक शर्मा को ष्टस्य ने खरीदा

विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा घरेलू क्रिकेट में राजस्थान के लिए खेलते हैं। मिनी ऑक्शन में मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ने उनके लिए बोली लगाई। आखिकार उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने 14.20 करोड़ में खरीदा।

आईपीएल 2026 ऑक्शन : आपकी फेवरेट टीम ने किस पर खेला सबसे बड़ा दांव?

देखिए सभी 10 टीमों के सबसे महंगे खिलाड़ियों की लिस्ट

अबु धाबी ,आईपीएल 2026 के रोमांचक सीजन से पहले 16 दिसंबर को अबु धाबी में सजी खिलाड़ियों की मंडी (मिनी ऑक्शन) में जमकर पैसों की बारिश हुई। इस नीलामी में फ्रेंचाइजियों ने न केवल विदेशी दिग्गजों पर, बल्कि भारत के युवा और अनकैप्ड खिलाड़ियों पर भी दिल खोलकर खजाना लुटाया। नीलामी की सबसे बड़ी सुर्खी ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन रहे, जिनके लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (व्यक्र) ने अपनी तिजोरी के दरवाजे पूरी तरह खोल दिए। केकेआर ने ग्रीन को 25.2 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक कीमत पर खरीदकर अपनी टीम में शामिल किया है। इस बोली के साथ ही कैमरून ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं, जबकि लीग के इतिहास में ओवरऑल सबसे महंगे खिलाड़ियों की सूची में उन्होंने तीसरा स्थान हासिल कर लिया है।

इस मिनी ऑक्शन में कुल 77 खिलाड़ियों की किस्मत का फैसला हुआ, जिनमें 29 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। नीलामी का रोमांच सिर्फ बड़े नामों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि घरेलू क्रिकेट के उभरते सितारों पर भी टीमों ने बड़ा भरोसा जताया। कार्तिक शर्मा और प्रशांत वीर जैसे अनकैप्ड खिलाड़ियों की भी इस नीलामी में लॉटरी लग गई और वे रातों–रात सुर्खियों में आ गए। टीमों ने जिस तरह से रणनीतिक रूप से खिलाड़ियों पर बोलियां लगाईं, उससे साफ है कि आईपीएल 2026 का मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। ग्रीन की रिकॉर्ड तोड़ कीमत और युवाओं पर लुटाए गए पैसों ने इस नीलामी को यादगार बना दिया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स

कैमरन ग्रीन– 25.2 करोड़ रुपये
मथीशा पथिराना– 18 करोड़
मुस्तफिजुर रहमान– 9.2 करोड़
चेन्नई सुपर किंग्स
कार्तिक शर्मा– 14.2 करोड़
प्रशांत वीर– 14.2 करोड़
राहुल चाहर– 5.2 करोड़
सनराइजर्स हैदराबाद
लियाम लिविंगस्टोन– 13 करोड़
जैक एडवर्ड्स– 3 करोड़
सलील अरोड़ा– 1.5 करोड़
लखनऊसुपर जॉइंट्स
जोश इंग्लिस– 8.6 करोड़
मुकुल चौधरी– 2.6 करोड़
अक्षत रघुवंशी– 2.2 करोड़
दिल्ली कैपिटल्स
आकिब नबी डार– 8.4 करोड़
पथुम निसांका– 4 करोड़
राजस्थान रॉयल्स
रवि बिश्नोई– 7.2 करोड़
एडम मिल्ने– 2.4 करोड़
रवि सिंह– 95 लाख
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
वेंकटेश अय्यर– 7 करोड़
मंगेश यादव– 5.2 करोड़
जैकब डफी– 2 करोड़
गुजरात टाइटंस
जैसन होल्डर– 7 करोड़
टॉम बैंटन– 2 करोड़
अशोक शर्मा– 90 लाख
पंजाब किंग्स
बेन ड्वारशुइस– 4.4 करोड़
कूपर कोनोली– 3 करोड़
मुंबई इंडियंस
क्विंडटन डि कॉक– 1 करोड़

एक नजर

जंगली जानवरों के हमलों के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द्वारीखाल ब्लाक के राजकीय इंटर कॉलेज किनसूर में एसएमसी और पीटीए की बैठक हुई। बैठक का उद्देश्य जंगली जानवरों के हमलों से बच्चों की सुरक्षा और आगामी परीक्षाओं के लिए अभिभावकों को जागरूक करना था। सभी अभिभावकों को समूह में बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया गया।

द्वारीखाल ब्लाक के राइंका किनसूर में बुधवार को एसएमसी व पीटीए की सयुंक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जंगली जानवरों के हमलो से बच्चों की सुरक्षा, आगामी प्री बोर्ड, बोर्ड व वार्षिक परीक्षा के लिए बच्चों की तैयारी हेतु अभिभावकों को जागरूक करना था। बैठक में आसपास के गांवो बागी, तैड़ी, पोगठा, हतनूड़ मैठाणा व उमन आदि से आने वाले बच्चों के अभिभावकों को बच्चों को समूह में स्कूल भेजने के लिए कहा गया। पूर्व प्रधान दीपचंद शाह ने कहा कि जंगली जानवरों के हमले से बचने के लिए सभी को जागरूक होने के साथ ही सावधानी बरतनी भी आवश्यक है। वहीं प्रधानाचार्य गोपाल सिंह ने अभिभावकों से विद्यालय की उन्नति के लिए सुझाव मांगे। बैठक में सुरेश चन्द्र भट्ट, मलखान सिंह, ऋचा ध्यानी आदि शिक्षकों सहित सभी अभिभावक मौजूद रहे।

नए डीएफओ महातिम यादव ने ग्रहण किया कार्यभार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग में नए डीएफओ महातिम यादव ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले वह नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क, ज्योर्तिमठ, अल्मोड़ा और राजाजी नेशनल पार्क में सेवाएं दे चुके हैं। नए डीएफओ के समक्ष जनपद पौड़ी गढ़वाल में लगातार बढ़ रहे वन्य जीवों के हमलों पर रोक लगाने की चुनौतियां है। जिले जंगली जानवर भालू, गुलदार कई लोगों को निवाला बना चुके है, जबकि कई लोगों को घायल कर चुके है। 2017 बैच के आईएफएस अधिकारी महातिम यादव को ऐसे समय में तैनाती मिली है, जब पौड़ी जिले के पौड़ी, पोखड़ा, थलीसैंण और आसपास के क्षेत्रों में गुलदार और भालू के हमलों में लगातार वृद्धि हुई है। भालू ने कल्जीखाल, थलीसैंण, पाबौ और खिर्सू में मवेशियों को नुकसान पहुंचाया है, वहीं भालू के हमलों में चार लोग घायल भी हुए हैं। इसी तरह, गुलदार ने पौड़ी रेंज के गजल्ड, कोटी और पोखड़ा के बगड़ीगाड़ सहित श्रीकोट में हमला कर लोगों को घायल किया। इस हमले में पांच लोग घायल हुए हैं। अभी भी ढांढरी, कोटी और पोखड़ा में गुलदार सक्रिय हैं और वन विभाग की टीमें लगातार गश्त में जुटी हुई हैं। आए दिन इन क्षेत्रों से गुलदार के दिखाई देने की सूचनाएं मिल रही हैं। गुलदार के सक्रिय होने के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली कार्यालय में लोगों ने किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर के नकोट-बिलकेदार में आवासीय बस्तियों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को शिफ्ट किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को स्थानीय लोगों ने विद्युत कार्यालय श्रीनगर में सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया और विद्युत विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। साथ ही कार्यालय में अधिकारी न मिलने पर कड़ा रोष व्यक्त किया। धरने में बैठे पार्षद संदीप रावत ने कहा कि बिलकेदार में 11 हजार केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन दुर्घटना का सबब बनी हुई है। कहा कि नकोट-बिलकेदार निवासी लम्बे समय से घरों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन को हटवाये जाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई भी कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई है। कहा कि कई लोग हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर बुरी तरह से घायल हो चुके हैं, जिसके बाद भी कोई भी कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई है। इस दौरान अधिकारियों के कार्यालय में न मिलने पर स्थानीय लोग धरने पर डटे रहे।

कुलसचिव ने अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह को अज्ञात व्यक्ति द्वारा कॉल कर परेशान किया जा रहा है। इस संदर्भ में कुलसचिव ने बुधवार को कोतवाली श्रीनगर में शिकायती पत्र दिया है। कोतवाली श्रीनगर को भेजे प्रार्थना पत्र में गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. आरके ढोड़ी ने बताया कि गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह को बीते कई दिनों से अलग–अलग नम्बर से कॉल कर परेशान किया जा रहा है। बताया कि अज्ञात नंबरों द्वारा लगातार कॉल कर साइबर सेल का हवाला दिया जा रहा है। कुलसचिव ने मामले में जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। (एजेंसी)

नाली गायब, सड़क पर बह रहा गंदा पानी

कोटद्वार के मुख्य डाकघर के बाहर नाली गायब होने से सड़क पर बहती गंदगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भले ही नगर निगम शहर के बेहतर विकास के दावे कर रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है कि सड़क किनारे टूटी नालियों के कारण सड़क पर गंदगी का ढेर लगा रहा है। लगातार बिगड़ रही व्यवस्थाओं के कारण आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। शहरवासियों की शिकायत के बाद भी नगर निगम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

शहर में शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां क्षतिग्रस्त नालियों के कारण सड़क पर बहता गंदा पानी न दिखाई दें। अव्यवस्थाओं को कारण लगातार शहर की सूरत बिगड़ती जा रही है। सबसे बुरी स्थिति बुद्धापार्क से झंडाचौक के मध्य बनी हुई हैं। यहां मुख्य डाकघर के बाहर नाली गायब होने से गंदगी सड़क पर बहती रहती है। जबकि, उसी के समीप जिलाधिकारी व उपजिलाधिकारी का भी आवास है। मानपुर, पदमपुर व शिवपुर क्षेत्र के साथ ही भाबर के विभिन्न वार्डों में भी यह स्थिति देखने को मिल रही है। नजीबाबाद रोड, घराट रोड में तो कई लोगों ने नाली पर ही पक्का निर्माण करवा दिया है। जिसके कारण गंदे पानी की निकासी नहीं हो पाती और गंदगी सड़क पर ही बहती रहती है। गंदगी के कारण व्यापारियों का अपने प्रतिष्ठानों में बैठना भी मुश्किल हो जाता है। साथ ही आसपास के लोगों को संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है।

कुछ वर्ष पूर्व करवाया था निर्माण

बदरीनाथ मार्ग में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे नगर निगम ने दो वर्ष पूर्व ही नाली का निर्माण करवाया था। लेकिन, वर्तमान में यह नाली दोबारा से क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

डाकघर के बाहर लगातार बढ़ रही अव्यवस्था के बाद भी नगर निगम इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। ऐसे में नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

आसमान में छाया कोहरा, अलाव का लिया सहारा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा है। बुधवार को पूरे दिन आसमान में कोहरा छाया हुआ था।

लोगों ने ठंड से बचाव के लिए अलाव का सहारा लिया। वहीं, नगर निगम भी शहर के मुख्य चौराहों पर अलाव जलाने की तैयारी कर रहा है। बुधवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। शाम होते ही कोहरा और तेजी से बढ़ने लगा। जिसके बाद लोगों ने ठंड से बचाव के लिए अलाव का सहारा लिया।

ठंड से सबसे अधिक परेशानी शहर में बेसहारा घूमने वाले लोगों को उठानी पड़ी। दरअसल, ठंड बढ़ने के साथ ही नगर निगम की ओर से शहर में जगह-जगह चौराहों व बेस अस्पताल में अलाव की व्यवस्था की जाती है। लेकिन, अभी

कोटद्वार क्षेत्र में बुधवार को घिरी कोहरे की सफेद चादर

तक क्षेत्र में अधिक ठंड न होने के कारण अलाव नहीं जल रहे थे। ऐसे में अब नगर निगम ने भी ठंड को देखते हुए अलाव जलाने की तैयारी प्रारंभ कर दी है अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार तक अच्छी धूप खिलने के कारण ठंड का प्रकोप अधिक नहीं था। कोहरा आने के कारण अचानक ठंड बढ़ी है। जल्द ही निगम क्षेत्र में मुख्य चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की जाएगी।

बहुउद्देशीय शिविर में उठाई जंगली जानवरों की समस्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रिखणीखाल में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर व तहसील दिवस में जंगली जानवरों के आतंक की समस्या छाई रही। ग्रामीणों ने सरकारी सिस्टम से गांव को जाने वाले मार्गों पर झाड़ियों का कटान करवाने की मांग उठाई। इस दौरान शिविर में विभिन्न स्टाल भी लगाए गए।

क्षेत्र पंचायत रिखणीखाल रेनू रावत व उपजिलाधिकारी शालिनी मौर्य की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में समाज कल्याण विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विकास विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, एनआरएलएम, सहकारिता विभाग, ई-डिस्ट्रिक्ट, राजस्व विभाग की ओर से स्टाल लगाए गए, जिसमें ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए उनका निराकरण किया गया। शिविर में कुल 68 समस्याएं उठाई गई, जिसमें मनरेगा कार्य को आफलाइन करवाने, कार्बेट व वन क्षेत्र से सटे गांव के आसपास लैंटाना झाड़ी को कटवाने, पैदल मार्गों पर उगी झाड़ियों को कटाने व तैड़िया गांव में विद्युतीकरण करने की मांग गंभीरता से उठाई गई।

खंड विकास अधिकारी देवेश पंत, तहसीलदार विद्यादत्त सेमवाल ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए समय-समय पर इस तरह के शिविर आयोजित किए जाते हैं।

इस मौके पर एडीओ पंचायत सुनील कोटनाला, ज्योष्ठ प्रमुख सुनीता देवी, चंद्रपाल रावत, सतेंद्र रावत, यशपाल चौहान, डा. आदिल अली, स्वाति रावत आदि मौजूद रहे।

बेटियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत राजकीय कन्या इंटर कालेज एकेश्वर में करियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

आयोजित करियर काउंसलिंग के विशेषज्ञ प्रदीप नेगी ने छात्राओं को सरकारी योजनाओं के साथ ही विभिन्न जानकारियां दी। कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी रुचि क्षमता एवं योग्यता के अनुरूप करियर का चयन करना चाहिए, जिससे वह भविष्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। ब्लाक मुख्यालय से आए सुशील कुमार ने महिलाओं एवं बालिकाओं को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। डा. मोनिका असवाल ने चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर अवसरों की जानकारी दी। कहा कि छात्राओं को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ना चाहिए।

आवारा कुत्ते ने 30 लोगों को काटा, गौशाला में किया बंद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। भाबर क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड संख्या 34 में एक कुत्ते ने 30 से अधिक लोगों को जख्मी कर दिया। इसके बाद जब कुत्ता एक गौशाला में घुसा तो लोगों ने उसे वहीं बंद कर दिया, जहां सुबह तक उसकी मौत हो चुकी थी। ऐसे में लगातार शहर में बढ़ रही आवारा कुत्तों की धमक से लोगों में दहशत बनी हुई है।

शहर में आवारा कुत्तों में संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक सप्ताह पूर्व शहर के विभिन्न स्थानों पर कुत्तों ने पचास से अधिक लोगों को जख्मी कर दिया था।

वर्तमान में नगर निगम जहां आवारा कुत्तों का टीकाकरण कर रहा है, वहीं पागल हो रहे कुत्तों को पकड़ कर उनका उपचार भी करवा रहा है। इन कुत्तों को रखने के लिए निगम ने पांच सेल्टर भी

कोटद्वार शहर के एक मोहल्ले में घूमते आवारा कुत्ते

बनाए हैं। इधर, आवारा कुत्तों का आतंक थमता नजर नहीं आ रहा। सोमवार शाम एक कुत्ता अचानक खूंखार हो गया और राह चलते लोगों के साथ ही घर के बाहर खेल रहे बच्चों को जख्मी कर दिया। कुत्ते के आतंक से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। बच्चों व बुजुर्गों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था। कुत्ता दौड़ते हुए सतीश कुकरेती की गौशाला के भीतर चला गया, जिसे उन्होंने गौशाला में ही बंद कर दिया। लेकिन, सुबह तक उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस ने फूंका केंद्र सरकार का पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मनरेगा का नाम बदलने से आक्रोशित कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि केंद्र सरकार जनता के हित को छोड़ नाम बदलने का ही कार्य कर रही है। जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बुधवार को कांग्रेसी झंडाचौक के समीप एकत्रित हुए। जहां उन्होंने केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि कांग्रेस ने मनरेगा योजना बनाई थी। मनरेगा केवल एक योजना नहीं बल्कि ग्रामीण भारत के गरीब, मजदूर व जरूरतमंद वर्ग को मिला काम का अधिकार है। इस कानून ने ग्रामीण क्षेत्रों में सौ दिन के रोजगार की गारंटी देकर लाखों परिवारों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर दिया है। कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने का प्रयास कर रही है। कहा कि केंद्र सरकार रोजगार के अधिकार को

केंद्र सरकार का पुतला लेकर कोटद्वार के झंडा चौक में पहुंचे कांग्रेसी

समाप्त कर उसे केंद्र नियंत्रित चैरिटी मॉडल में बदलने की साजिश रच रही है, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। कार्यकर्ताओं ने मनरेगा को कमजोर करने वाले प्रस्ताव को तत्काल वापस लेने व महात्मा गांधी से जुड़े इस ऐतिहासिक व जनकल्याणकारी कानून से छेड़छाड़ बंद करने की मांग की। इस मौके पर मीना बछवाण, प्रवीन रावत, संजय मित्तल, विजय नारायण सिंह, साबर सिंह नेगी, हेमचंद पंवार, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, बृजपाल सिंह नेगी, नीरज बहुगुणा, कमल किशोर बिष्ट, जानकी बुड़ाकोटी, सूरज प्रकाश, अमित राज सिंह, राजीव कपूर, सुनील सेमवाल, राकेश शर्मा मौजूद रहे।

ठगी कर वाहन को ले जाने वाला गिरफ्तार

चमोली : एक वर्ष पूर्व ज्योतिर्मठ के पांडुकेश्वर के रहने वाले एक व्यक्ति से उसके वाहन को झूठा आश्वासन देकर ठगी कर ले जाने वाले को पुलिस ने जयपुर राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाल देवेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि 24 नवंबर को पांडुकेश्वर गांव के रहने वाले स्प्रेश ने कोतवाली ज्योतिर्मठ में तहरीर दी कि एक वर्ष पूर्व ऋषिकेश से संचालित एक कंपनी के कथित मालिक ने उससे जान पहचान बढ़ाई और उसे उसकी कार को टिहरी स्थित एडीएम कार्यालय में लगाने का झूठा आश्वासन दिया व कहा कि इसके एवज में वह 42 हजार प्रतिमाह दिलवायेगा। लेकिन एक वर्ष से अधिक का समय बीत जाने पर भी न तो उसके वाहन को आरोपी ने सरकारी विभाग में लगाया, न मासिक किराया दिया न ही वाहन वापस लौटाया। कोतवाल ने बताया कि वाहन स्वामि स्प्रेश ने बताया कि अब आरोपी उसका वाहन भी वापस नही कर रहा है। बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार के आदेश पर एक विशेष टीम गठित की गई व टीम ने कई शहरों में छापेमारी करने व मुखबिर आदि से सुराग पाने के बाद अभियुक्त प्रवीन सिंह पुत्र भानु सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट अमसारी, थाना देवप्रयाग, जनपद टिहरी गढवाल उम्र 28 वर्ष' को जयपुर राजस्थान से गिरफ्तार किया।

गंगा भोगपुर मल्ला से जनसरोकारों की नई पहल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में जनपद पौड़ी गढ़वाल में शासन को जनता के और निकट लाने की दिशा में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान की शुरुआत गुरुवार को गंगा भोगपुर मल्ला से हो गई है। इस अभियान के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे आमजन तक पहुंचाने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान मौके पर ही सुनिश्चित किया जाएगा।

अभियान के तहत आयोजित होने वाले बहुउद्देशीय शिविरों में उच्चाधिकारी स्वयं उपस्थित रहकर जनता की समस्याएं सुनेंगे तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों के माध्यम से उनका त्वरित निस्तारण कराएंगे। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और पात्र नागरिकों को तत्काल लाभान्वित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जनपद की 115 न्याय पंचायतों में चरणबद्ध रूप से शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक शिविर में शिकायत निवारण, योजनाओं से आच्छादन तथा लंबित प्रकरणों के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रह सके। न्याय पंचायतों की संख्या अधिक होने के दृष्टिगत जनपद में यह अभियान 18 मार्च, 2026 तक संचालित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

पीएमजीएसवाई के अधिकारी डीएम के आदेशों को दिखा रहे ठेगा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी पौड़ी द्वारा लोनिवि व पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को अक्टूबर माह तक सभी सड़को को गड्ढा मुक्त करने के आदेश दिए, लेकिन विकासखंड बीरोंखाल के सुदूवर्ती क्षेत्रों को जुड़ने वाली सिसई-डांग-जामरी मोटरमार्ग को पीएमजीएसवाई बैजरों, सतपुली के अधिकारियों द्वारा अभी तक सड़क को गड्ढा मुक्त नहीं कर पाए। इससे पीएमजीएसवाई के अधिकारी डीएम के आदेशों को ठेगा दिखा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मोटरमार्ग को ठीक नहीं किया गया तो मजबूर होकर आंदोलन करना पड़गा।

बाडाडांडा प्रधान गीता देवी, कमड़ई प्रधान लीला देवी ने बताया कि सीलीफाट को जोड़ने वाली मात्र सिसई-डांग-जामरी सड़क की हालत खस्ता बनी हुई हैं। मोटरमार्ग पर जगह-जगह गड्ढे एंव मलबा पड़ा हुआ है, जो दुर्घटना को न्योता दे रहा है। ग्रामीणों ने कई बार पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को बीडीसी बैठकों में अवगत करा दिया है, लेकिन विभाग सड़क को ठीक करने की जहमत नहीं उठा रहा है। उन्होंने अविलंब इस मार्ग पर बने गड्ढों को ठीक करने की मांग की है। ग्रामीणों का यहा भी कहना हैं कि मोटर मार्ग पर बरसात के समय पड़ा हुआ मलबा भी नहीं हटाया गया है। जिससे पहाड़ के इन मार्गों पर चलना कठिन हो गया हैं। पीएमजीएसवाई बैजरों, सतपुली अधिशासी अभियंता पान सिंह बिष्ट ने बताया कि सिसई-डांग-जामरी सड़क पर बने गड्ढों एंव मलबा साफ करने के लिए ठेकेदार को निर्देश दिए गए थे। जेई से पूरी मामले की जानकारी ली जा रही हैं। यदि अभी तक सड़क पर बने गड्ढों नहीं भरे होगे तो ठेकेदार व जेई पर कार्रवाई की जाएगी।

चमोली में भालुओं की दहशत जारी

चमोली : चमोली जिले के गांवों में भालुओं की दहशत लगातार जारी है। भालू ने मंगलवार रात्रि को पोखरी ब्लॉक के बीणा तल्ला और कलसीर गांव में दो गोशालाओं की छत फाड़ी। गोशाला में बंधे बैलों पर हमला कर उन्हें मार दिया। बीणा तल्ला के जगदीश लाल ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया भालू ने मंगलवार की रात्रि को उसकी गोशाला की छत फाड़कर गौशाला में बंधे उसके बैल को मार दिया। मंगलवार की ही रात्रि को पोखरी ब्लॉक के कलसीर गाँव में युद्धवीर सिंह की गोशाला की छत तोड़ कर भालू गोशाला में घुसा और उसके बैल को मार डाला। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता संतोष सिंह ने बताया पोखरी ब्लॉक के गांवों में भालुओं की दहशत लगातार जारी है। भालुओं के हमलों से ग्रामीण भयभीत हैं। मंगलवार को बीणा तल्ला और कलसीर गांव में गोशाला पर भालुओं की बारदात पर वन क्षेत्राधिकारी नवल किशोर नेगी ने कहा घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम घटना स्थल पर भेजी गई है। (एजेंसी)

स्वस्थ शरीर और अनुशासित जीवन ही सशक्त राष्ट्र की नींव

खेल महोत्सव: विधानसभा स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र की विधानसभा स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का गुरूवार को राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों और सांस्कृतिक दलों के मार्चपास्ट के साथ समारोह पूर्वक शुभारंभ किया गया।

सांसद खेल महोत्सव के पहले दिन एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कबड्डी, टेबल टेनिस आदि खेल प्रतियोगिताओं के पहले चरण की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। गुरूवार को प्रतियोगिताओं के अंतिम चरण के मुकाबले होंगे। खेल महोत्सव का शुभारंभ नगर निगम कोटद्वार के महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष

राजेन्द्र अन्थवाल, जिला खेल अधिकारी जयवीर सिंह रावत, वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक सुनील रावत द्वारा विद्यालयों के सांस्कृतिक दलों एवं खिलाड़ियों के भव्य मार्च पास्ट की सलामी लेकर किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि नगर निगम महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि स्वस्थ शरीर और अनुशासित जीवन ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से युवाओं को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है, बल्कि उनमें टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना भी विकसित हो रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई खेलो इंडिया जैसी ऐतिहासिक पहल ने आज देश के युवाओं में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और विश्वास पैदा किया है। खेलों को करियर के रूप में अपनाने के लिए सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और अवसरों का व्यापक विस्तार किया गया है, जिसका सकारात्मक परिणाम आज गांव-गांव और शहर-शहर में देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गढ़वाल लोकसभा के लोकप्रिय सांसद अनिल बलूनी के मार्गदर्शन में सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। इस मौके पर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र अन्थवाल, भाजपा जिला महामंत्री सुरेन्द्र आर्य, जिला उपाध्यक्ष विजयनंद पोखरियाल, हरी पुंडीर, भाजयुमो जिला अध्यक्ष शांता बमराड़ा, ब्लॉक खेल समन्वयक विनोद पंत, स्टेडियम प्रभारी श्याम सिंह डांगी, नगर अध्यक्ष विकास मित्तल, प्रदेश खेल सह संयोजक सौरव नौटियाल, पार्षद जयप्रकाश ध्यानी, उम्मेद सिंह नेगी, रजनीश बेबनी, शशिकांत जोशी, कै. गजेन्द्र धस्माना सहित बड़ी संख्या में खेल प्रशिक्षक, शिक्षक उपस्थित रहे।

सरकार को लोगों की जान की कोई चिंता नहीं : गोदियाल

पौड़ी में कांग्रेस ने निकाली जनाक्रोश रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की अगुवाई में बुधवार को पौड़ी में पार्टी ने जनाक्रोश रैली निकाली। रैली में पौड़ी के साथ ही कल्जीखाल, कोट और श्रीनगर से कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि यदि सरकार काम न करे तो फिर विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह आवाज उठाए, नहीं तो विपक्ष भी किसी काम का नहीं। कहा कि आज सरकार को लोगों की जान की कोई चिंता नहीं है। केवल माला पहनकर वाहवाही लूट रही है। इस दौरान सरकार मांग की गई कि गुलदार प्रभावित गांवों में 5-5 लोगों की तैनाती की जाए और इसके लिए ग्राम प्रधान को जिम्मेदारी दी जाए। गुलदारों को ट्रैंक्यूलाइज किया जाए और उन पर जीपीएस सिस्टम लगा दिया जाए ताकि गुलदार की लोकेशन आसानी से देखी जा सके।

रैली पौड़ी सिविल लाइन से होती हुई एजेंसी चौक, अपर बाजार होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां आयोजित जनसभा में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि एक ओर पूरे पहाड़ में वन्य जीव हमलावर हैं तो दूसरी तरफ सरकार आराम से सो रही है।

सरकार का यहां के लोगों की कोई चिंता नहीं है। कहा कि आज सरकार को इसलिए नहीं घेर रहे हैं कि हमले हो रहे हैं बल्कि इसलिए आवाज उठाई जा रही है कि सरकार इन हमलों को रोकने में असफल साबित हुई है और एक के बाद एक हमले हो रहे हैं। गोदियाल ने कहा कि आज सरकार डैमोग्रेफी बदलाव, लव जिहाद, लैंड जिहाद जैसे मुद्दों को उठाकर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। कहा कि अपराधी का कोई धर्म नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अजीब बात है कि जब तक गुलदार एक से ज्यादा लोगों को नहीं मार दे रहा है तब तक सरकार की नींद नहीं खुल रही है।

राठ के कुचौली, कठ्यूड और सौंठ गांवों में भालू ने 60 से अधिक मवेशियों को मार दिया तो पौड़ी और पोखड़ा में गुलदार ने इस बीच 4 लोगों की जाने ले ली।

कार्डियो ओपीडी में 48 हार्ट रोगियों ने कराई जांच

श्रीनगर गढ़वाल : बेस अस्पताल श्रीनगर में बुधवार को आयोजित कार्डियो ओपीडी में 48 मरीज हृदय संबंधी समस्याओं के उपचार के लिए पहुंचे, जबकि भर्ती 10 मरीजों का फॉलोअप व नियमित चेकअप किया गया। ओपीडी के दौरान हृदय रोगों की गंभीरता को देखते हुए 15 मरीजों की इकोकार्डियोग्राफी (इको) जांच की गई, जिससे उनकी हृदय की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया जा सका। जांच के बाद तीन गंभीर मरीजों को उन्नत उपचार के लिए कोरोनेशन अस्पताल देहरादून रेफर किया गया, जहां उन्हें आवश्यक कार्डियक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, कोरोनेशन अस्पताल देहरादून में एंजियोप्लास्टी करा चुके दो हार्ट मरीज भी फॉलोअप जांच के लिए ओपीडी में पहुंचे, जिनकी स्थिति संतोषजनक पाई गई। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. संदीप मालविया ने ओपीडी में पहुंचे सभी मरीजों की विस्तृत जांच की और उन्हें उचित परामर्श दिया। उन्होंने हार्ट रोगियों को नियमित जांच, संतुलित आहार, दवाइयों के सही सेवन और जीवनशैली में बदलाव अपनाने की सलाह दी। डॉ. मालविया ने कहा कि समय पर जांच और इलाज से हृदय रोगों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। स्थानीय निवासी मनमोहन राणा, धनवीर बिष्ट सहित अन्य लोगों ने बेस अस्पताल में आयोजित कार्डियो ओपीडी को क्षेत्र के हार्ट रोगियों के लिए बेहद उपयोगी और राहत देने वाला कदम बताया। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का जन्म दिनांक 13-01-2013 को हुआ था तथा नगर पालिका कोटद्वार द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का नाम आरना गौड़ दर्ज है, जबकि मेरी पुत्री के अन्य सभी अभिलेखों में नाम आनिया गौड़ है। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में नाम परिवर्तित कर आरना गौड़ के स्थान पर आनिया गौड़ दर्ज कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

दीपक गौड़ पुत्र स्व0 श्री मोहन लाल गौड़ निवासी ग्राम घण्डपुर, पोस्ट निम्बूचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1535/21)

संक्षिप्त समाचार

पूर्व प्रमुख ने शुरु की जन आशीर्वाद यात्रा

नई टिहरी। विधानसभा प्रतापनगर की स्थानीय संस्कृति, लोककला व परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के लिए पूर्व प्रमुख प्रदीप रमोला ने जन आशीर्वाद यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर पूर्व प्रमुख रमोला ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जाकर लोगों से जनसंपर्क किया। बुधवार को सेम मुखेम नागराज मंदिर में पूजा अर्चना के बाद पूर्व प्रमुख प्रदीप रमोला ने अपनी जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया। इसके उपरांत रमोला ने सदडगांव, मुखेम होते हुए पोखरी में घर–घर जाकर लोगों से जनसंपर्क किया। इस मौके पर पूर्व प्रमुख रमोला ने कहा कि, उनकी इस यात्रा का उद्देश्य प्रतापनगर की आत्मा, संस्कृति व जनभावनाओं का सम्मान है। उन्होंने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक मंच पर आकर जनसंवाद स्थापित करने पर जोर दिया। कहा कि, विधानसभा प्रतापनगर क्षेत्र की जनभावनाओं के सम्मान मे शुरु की गई जन आशीर्वाद यात्रा प्रतापनगर के समग्र विकास की ओर अग्रसर करना है और आम जन की समस्याओं से रूबरु होकर जनता के आशीर्वाद से समस्याओं के समाधान की ओर बढ़ना है। इस मौके पर प्रधान प्रभाकर कंडियाल, पूर्व प्रधान नरेंद्र चमोली, सोहन कंडियाल, रमेश भंडारी आदि शामिल रहे।

निपुण विद्यार्थी प्रतियोगिता में आरव, शिवम, अंशिका अव्वल

नई टिहरी। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संकुल संसाधन केंद्र मोटणा में निपुण विद्यार्थी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं सीआरपी अभिषेक सिंह बिष्ट के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय रौलाकोट के छात्र आरव ने प्रथम स्थान, राजकीय प्राथमिक विद्यालय जणगी के छात्र शिवम ने द्वितीय स्थान तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय हलेथ की छात्रा कुमारी अंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीआरपी अभिषेक सिंह बिष्ट एवं प्रधानाध्यापक सुरेंद्र दत्त नौटियाल ने विजेता छात्र–छात्राओं को क्रमशः 1500, 1000 और 500 रूपये की धनराशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से प्रदान की। इसके साथ ही उन्हें प्रमाण–पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में निर्णायक मंडल के रूप में कुलदीप चंद रमोला, जगदंबा गैरोला, अभिषेक बिष्ट एवं आशुतोष कुकरेती शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक सुरेंद्र दत्त नौटियाल, निमित्ता देवी, ज्योति रावत, अमरीश कुमार, आलोक कुमार सहित अनेक शिक्षक, अभिभावक संगीता देवी, रीना देवी, सावित्री देवी, राधिका देवी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

नई टिहरी में कांग्रेस का मनरेगा में बदलाव के विरोध में धरना

नई टिहरी। केंद्र सरकार के द्वारा मनरेगा का नाम बदले जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के देश के महापुरुषों के नाम को मिटाना चाहती है। कहा कि 2005 में केंद्र की कांग्रेस सरकार ने महत्वाकांक्षी मनरेगा योजना शुरू की थी। इस योजना से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आजीविका चल रही थी। लेकिन अब सरकार इसको बदल रही है। बुधवार को बौराड़ी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। कहा कि आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर संचालित मनरेगा को भाजपा सरकार बदलकर उसमें कड़े प्राविधान कर रहे हैं। जिससे लोगों को रोजगार आसानी से नही मिल पाएगा। कहा कि मनरेगा ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की मजबूत आधार है। कोरोना संकट काल में मनरेगा ही लोगों के जीवन जीना का आधार बनी है। बावजूद अब इसको समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि मनरेगा केंद्र का अंशदान 90 फीसदी और राज्य सरकार का 10 प्रतिशत था। अब नए बिल में इसे घटाकर 60,40 की हिस्सेदारी कर दी है। इससे राज्यों पर भी अतिरिक्त व्यय भार पड़ेगा। उन्होंने योजना में बदलाव न करने की मांग की। इस मौके पर शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार,नरेंद्र चंद रमोला,आशा रावत,सीमा कृषाली, शक्ति जोशी,देवेंद्र नौडियाल,लखबीर सिंह चौहान,श्यामलाल शाह,मनीष पंत,विश्वजीत नेगी,संतोष आर्य,वीरेंद्र दत्त,शोभन कुमाईं,रोशन नौटियाल,किशोर मंद्रवाल,रमेश पेटवाल,शंभू भंडारी,गबर रावत,राकेश कुमार,ममता उनियाल,अनीता देवी आदि मौजूद थे।

नवनिर्वाचित प्रतिनिधि सीखेंगे पंचायत की संरचना के गुर

नई टिहरी। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत बुधवार को देवप्रयाग की न्याय पंचायत स्तर पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम की शुरुआत सजवाण काण्डा प्रधान और सेनि तहसीलदार गमधीर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। उन्होंने कहा कि गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए जनप्रतिनिधियों का जागरूक और प्रशिक्षित होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण शिविर में मास्टर ट्रेनर जितेंद्र सिंह व नवज्योति जन कल्याण समिति अध्यक्ष परशुराम डोभाल ने पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षकों की ओर से अगले पांच दिनों तक ग्राम पंचायतों की आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास की रूपरेखा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान दी जाएगी।

स्वयं सेवियों ने डाइजर में चलाया स्वच्छता अभियान

नई टिहरी। विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई टिहरी के एनएसएस स्वयं सेवियों ने बुधवार को स्पर्श गंगा दिवस पर स्वच्छता अभियान चलाया। कहा कि गंगा और सहायक नदियों की साफ–सफाई और अविरलता जरूरी है। इस दौरान 70 स्वयंसेवियों ने बुडोगी के डायजर जल स्रोत पर स्वच्छता अभियान चलाया। बुधवार को प्रधानाचार्य बीडी कुनियाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने एनएसएस के छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र सिंह मिश्रवाण ने एनएसएस के इतिहास से संबंधित जानकारी दी। उप प्रधानाचार्य दिनेश बहुगुणा ने स्पर्श गंगा दिवस, नमामि गंगे परियोजना के उद्देश्य बताए। जयकृत रावत ने मां गंगा पर लोकगीत प्रस्तुत किया। बौद्धिक सत्र में वक्ताओं ने कहा कि स्वयंसेवी समाज को अपने अनुशासन और विचारों सहित कार्यों से प्रभावित करें।

जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

बैरांगना न्याय पंचायत में आयोजित किया गया बहुउद्देशीय शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर आयोजित जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम का बुधवार को चमोली जनपद में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के तहत न्याय पंचायत बैरांगना में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान यहां जनपद के 23 विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सरकार की जन उपयोगी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान वहां ग्रामीणों की ओर से दर्ज 162 शिकायतों में से अधिकतर का मौके पर निस्तारण किया गया। जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए विभिन्न अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। चमोली जनपद के बैरांगना न्याय पंचायत में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने किया। उन्होंने बताया कि शिविर में जनपद में जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम का जनपद की बैरांगना न्याय पंचायत से शुभारंभ किया गया है। जिसमें ग्राम्य विकास, पंचायती राज, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, कृषि, उद्यान, श्रम, जल संस्थान, ऊर्जा निगम, स्वास्थ्य, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक विभाग सहित 23 विभागों के स्टॉल लगाए गए। विभागों ने स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकार की जन उपयोगी योजनाओं और योजना में आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर में ग्रामीणों की ओर से दर्ज शिकायतों में से 78.5 फीसदी शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया है। जबकि 21.5 फीसदी शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक विभाग की ओर से ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, शिविर के नोडल अधिकारी व जिला पूर्ति अधिकारी अंकित पांडे, जिला विकास अधिकारी केके पंत, उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ, कृषि अधिकारी जेपी तिवारी, जल संस्थान के एई अरुण गुप्ता सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पौड़ी बाजार में औषधि दुकानों का औचक निरीक्षण

सुरक्षित दवा, सुरक्षित जीवन अभियान के तहत एक्सपायरी व अमानक दवाओं पर सख्ती

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बुधवार को पौड़ी बाजार स्थित औषधि दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण सुरक्षित दवा सुरक्षित जीवन अभियान एवं इजेनेरिक ड्रग्स-इफेक्टिव, इकोनॉमिकल एंड एसेंशियलह अभियान के अंतर्गत किया गया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नाजशि कलीम के नेतृत्व में गठित समिति द्वारा औषधि दुकानों में उपलब्ध दवाओं की एक्सपायरी तिथि, भंडारण व्यवस्था, जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता, निर्धारित मानकों का अनुपालन, मूल्य सूची एवं अभिलेखों की गहन जांच की गयी। उन्होंने दुकानदारों को निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में एक्सपायरी या अमानक दवाओं का विक्रय न करें तथा जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं किफायती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा औषधि विक्रेताओं को दवाओं के सुरक्षित उपयोग, सही भंडारण एवं कानून के प्रावधानों के पालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं जागरुक किया गया। इस अवसर पर औषधि निरीक्षक सीमा बिष्ट चौहान, पूर्ति अधिकारी शैलेंद्र बड़ोला, सब इंस्पेक्टर हेमलता बहुगुणा, जिला समन्वयक तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम श्वेता गुसाईं सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में पीजी की 10 सीटें बढ़ी

श्रीनगर गढ़वाल : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न स्नात्कोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएट) पाठ्यक्रमों में सीटों की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड द्वारा प्रदान की गई है। दस सीटों की स्वीकृति मिलने से मेडिकल कॉलेज में पीजी की 62 सीटें हो गयी हैं। चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड ने विशेषज्ञों के समूह एवं समीक्षा समिति के साथ मिलकर संस्थान का भौतिक निरीक्षण तथा मानक मूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से आंकलन किया। इसके अंतर्गत मूल्यांककों की रिपोर्ट एवं संस्थान द्वारा प्रस्तुत स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट की विस्तृत समीक्षा की गई। यह प्रक्रिया चिकित्सा संस्थानों की स्थापना, मूल्यांकन एवं रेटिंग विनियम तथा स्नात्कोत्तर चिकित्सा शिक्षा नियमावली के प्रावधानों के अनुसार संपन्न हुई। समीक्षा के उपरांत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए संस्थान को डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) बाल रोग में चार सीटें, एमडी एनेस्थीसियोलॉजी में चार सीटें तथा मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस) प्रसूति एवं स्त्री रोग में दो सीटें प्रदान की गई हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु अनुमति पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया है। आयोग द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि एमडी जनरल मेडिसिन, त्वचा एवं यौन रोग, जैव रसायन विज्ञान तथा एमएस जनरल सर्जरी एवं अस्थि रोग विभागों में आवश्यक मानकों की पूर्ति करते हुए संस्थान 15 दिनों के भीतर पुनः अपील प्रस्तुत कर सकता है।

कांग्रेस ने फूंका केंद्र सरकार का पुतला

चमोली। मनरेगा का नाम बदलने से नाराज चमोली जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कर्णप्रयाग में केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि मनरेगा का नाम बदलकर केंद्र सरकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान कर रही है।

सरकार महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी योजनाओं का नाम खत्म करना चाहती है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा की सरकार तानाशाही कर रही है, लेकिन कांग्रेस इसका विरोध करती रहेगी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश डमरी ने कहा कि केंद्र सरकार जो जनविरोधी बिल लाई है उसका विरोध जारी रहेगा। कहा सरकार मनेरेगा कर्मियों को भुगतान नहीं कर पा रही है।

गढ़वाल विवि के दल ने एनईसी में हासिल किया चौथा स्थान

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के छात्र दल ने आईआईटी बॉम्बे के एंटरप्रेन्योरशिप सेल द्वारा आयोजित नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप चैलेंज (एनईसी) में चौथा स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि के उपरांत छात्र दल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह से शिष्टाचार भेंट की।

कुलपति ने छात्र दल को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए विद्यार्थियों की मेहनत, नवोन्मेषी सोच और उद्यमशीलता क्षमता की सराहना की। कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्यमशीलता की संस्कृति को भी सशक्त करती हैं। गढ़वाल विवि के मुख्य

छात्र सलाहकार प्रो. एमएम सेमवाल ने भी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रयास को सफलता का आधार बताया। इस अवसर पर टीम लीडर सूरज कुमार ने बताया कि इस सफलता में टीमवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान आई चुनौतियों, प्राप्त अनुभवों तथा सीखों को साझा किया और अपने नवोन्मेषी विचार का एक प्रोटोटाइप कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया।

यूओयू की नई पहल, जेल में बंद कैदी भी ले सकेंगे उच्च शिक्षा का लाभ

देहरादून। सूबे में दूरस्थ शिक्षा को विस्तार देते हुये उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने जिला कारागार हरिद्वार के साथ एमओयू साइन किया है। जिसके तहत कारागार में विभिन्न अपराधों में निरुद्ध कैदियों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में पढ़ाई करने का अवसर मिल सकेगा। इसके अलावा अन्य जनपदों की जेलों के कैदियों को भी उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिये इस प्रकार की पहल की जायेगी। जिला कारागार हरिद्वार में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) एवं जिला कारागार प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। जिसके तहत कारागार परिसर में कैदियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिये विश्वविद्यालय के विशेष अध्ययन केंद्र की स्थापना की जाएगी ताकि जेल में विभिन्न अपराधों में निरुद्ध कैदी उच्च शिक्षा ग्रहण कर सके। इस अवसर पर उत्तराखंड मुक्त

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि उच्च शिक्षा ग्रहण करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, जिसे सुनिश्चित करने के लिये मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा अभियान के तहत हरिद्वार जेल में बंद कैदियों को उच्च शिक्षा का लाभ पहुंचाया जायेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से कैदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और कैद से रिहा होने के उपरांत समाज की मुख्यधारा से जुड़क अपने जीवन को नई दिशा दे सकेंगे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये वरिष्ठ जेल अधीक्षक हरिद्वार मनोज आर्या ने एमओयू होने पर प्रसन्नता जताई और कहा कि शिक्षा प्राप्त करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि उपेक्षित वर्ग तक उच्च शिक्षा पहुंचाना बड़ी चुनौती है। हरिद्वार जिला कारागार में अध्ययन केंद्र की स्थापना से कैदियों को शिक्षा का लाभ मिलेगा और वह एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने इस प्रयास की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर लर कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय समाज के वंचित, उपेक्षित एवं विशेष आवश्यकता वाले वर्गों तक उच्च शिक्षा की अलख जगाने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि कोई भी वर्ग उच्च शिक्षा से वंचित न रहे, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों।

निगम कर्मचारी बोले, कट ऑफ डेट पर पुनर्विचार करे सरकार

देहरादून। राज्य निगम कर्मचारी महासंघ की बैठक में निगम कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण नही होने पर रोष व्यक्त किया गया। बैठक में संविदा, तदर्थ, अंशकालिक, दैनिक वेतनभोगी, वर्कचार्ज उपनल कर्मचारियों के विनियमितिकरण की कट ऑफ डेट पर पुनर्विचार करते हुए 31 दिसंबर करने की मांग की गई। बुधवार को गांधी रोड स्थित रोडवेज इंपलाइज यूनियन के कार्यालय में हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सरकार निगम कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है, जिस कारण कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ रहा है। बैठक में रोडवेज के संविदा, विशेष श्रेणी और बाह्य स्रोत तकनीकी कर्मचारियों को भी विनियमितिकरण का लाभ और सहकारी दुग्धशाला में कार्यरत कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने आदि मांगों के निराकरण की मांग की गई। प्रदेश अध्यक्ष सूर्यप्रकाश राणाकोटी ने कहा कि प्रदेश के सभी निगमों में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण कराने के लिए यदि किसी तरह का आंदोलन करना पड़े, महासंघ पीछे नहीं हटेगा। इस मौके पर नंदलाल जोशी, रविनंदन कुमार, अजयकांत शर्मा, बालेश कुमार, हरि सिंह, मनोज कुमार, कुनाल शर्मा, दलीप सिंह रावत, अजय कुमार, कमलेश, अमजद खान, मनीष कुमार, अमित सैनी आदि मौजूद रहे।

नई टिहरी शहर का सीवरेज सिस्टम 54 करोड़ से बनेगा बेहतर

नई टिहरी। एडीबी (एशियन डेवलपमेंट बैंक) सहायतित करीब 1244 करोड़ की परियोजना अब धीरे–धीरे धरातल पर उतरने लगी हैं। एक ओर जहां इस परियोजना से जाख–डोबरा रिंग रोड बनाई जा रही है,वहीं नई टिहरी में आईएसबीटी बस अड्डा बौराड़ी,कवर्ड मार्केट का रेनोवेशन और सिटी सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। जबकि मास्टर प्लान नई टिहरी शहर की सीवरेज सिस्टम की स्ट्रेंग्थिंग और अवशेष हिस्सों में सीवर लाइन का निर्माण की निविदा जारी कर दी गई है। नई टिहरी शहर में सीवरेज सिस्टम डेवलपमेंट का कार्य एडीबी परियोजना के तहत करीब 54 करोड़ की लागत से किया जाएगा। जिसके लिए विभाग ने निविदाएं आमंत्रित कर दी हैं। इस योजना में टीएचडीसी की ओर से भैंतोगी बीपुरम में पूर्व में बनाए गए 5 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) के एसटीपी का पुनरुद्धार और अपग्रेडेशन किया जाएगा। वहीं 20 केएलडी की एक अतिरिक्त यूनिट भी स्थापित की जाएगी। जबकि मास्टर प्लाट के तहत निर्मित नई टिहरी शहर के कुछ हिस्से पूर्व में सीवरेज सिस्टम से वंचित रह गए थे। इनमें एम. ब्लॉक,मुस्लिम मोहल्ला,ढुंगीधार,केमसारी के हिस्सों में इस परियोजना के तहत एसपीएस (सीवरेज पंपिंग स्टेशन) बनाए जाएंगे। जबकि नई टिहरी सीवरेज सिस्टम की मुख्य लाइन की मरम्मत और आवश्यक स्थानों पर लाइन परिवर्तन किया जाएगा। जिससे शहर का सीवरेज सिस्टम बेहतर होगा। यह योजना अगले 40 साल को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। एडीबी के टिहरी प्रोजेक्ट मैनेजर आशीष कठैत ने बताया कि टिहरी लेक प्रोजेक्ट के तहत नई टिहरी और टिहरी झील के आसपास कार्य शुरू हो गए हैं।

छह सौ छात्र–छात्राओं ने ली नशे के खिलाफ शपथ

देहरादून। मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति और सजग इंडिया की ओर से बुधवार को हरज्ञान चंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज डोईवाला में नशे के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया गया। जिसमें 600 सौ से अधिक छात्र–छात्राओं ने नशे के खिलाफ काम करने की शपथ ली। समिति के अध्यक्ष और राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के सदस्य ललित जोशी ने विद्यार्थियों को नशे के सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि नशा केवल शराब, सिगरेट या मादक पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल गेमिंग, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग और डिजिटल मनोरंजन पर निर्भरता भी युवाओं को मानसिक रूप से कमजोर कर रही है।ललित जोशी ने कहा कि नशा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की गंभीर समस्या है, जो जीवन और भविष्य को प्रभावित करती है। उन्होंने छात्रों को स्वस्थ आदतें अपनाने और नशा–मुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष ईश्वर चन्द्र अग्रवाल, प्रधानाचार्य महेश चन्द्र गुप्ता, परीक्षा प्रभारी नरेश बलूनी, कार्यालय प्रमुख संजय पांडे, शिक्षक हिमांशु, सुरेन्द्र सिंह और चौकी इंचार्ज लाल टप्पर विनय मित्तल सहित शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

दिसंबर में सुबह 9.15 से पहले और दोपहर 3 बजे बाद नहीं संचालित होंगे स्कूल

रुद्रप्रयाग। जनपद में मानव–वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों और नन्हे बच्चों की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। शीतऋतु के चलते दिन छोटे होने तथा वन्यजीवों की गतिविधियां समय से पहले शुरू होने के कारण जनपद के कई क्षेत्रों में खतरे की संभावना बनी हुई है। जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए आपदा प्रबंधन अधिनियम–2005 की धारा–34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जनपद के समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं गैर–शासकीय विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन समय में अस्थायी परिवर्तन के आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार माह दिसंबर 2025 की अवधि में पठन–पाठन कार्य प्रातः 9:15 बजे से पूर्व एवं अपरान्ह 3 बजे के गाद संचालित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों तक पहुंचने वाले मार्ग वन क्षेत्रों से होकर गुजरते हैं,

गोडसे को पूजने वाले लोगों से गांधी के सम्मान की उम्मीद बेईमानी है: डॉ0 गोगी

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से बुधवार को महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में गांधी पार्क में बनी महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। बुधवार को आयोजित प्रदर्शन में सभी ने भाजपा के इस निर्णय से रोष जताया है। डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि आज देश में द्वेष की राजनीति चल रही है बदले की राजनीति चल रही है, इतिहास को बदलने की राजनीति चल रही है, कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार में मनरेगा कानून आया था। यूपीए सरकार ने 2005 में ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून को लागू किया था और 2009 में इसके नाम में महात्मा गांधी जोड़ा गया। यह दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजना है, जो

ग्रामीण गरीबी कम करने, स्थानीय इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण रही है। प्रदेश महासचिव गोदावरी थापली ने कहा कि पिछले 20 सालों से मनरेगा ग्रामीण रोजगार की रीढ़ रही है। इसके जरिए साल में 100 दिन रोजगार देने की गारंटी थी, जिसके चलते गांव में ही लोगों को काम मिल रहा था। अब मोदी सरकार मनरेगा का नाम ही नहीं बदलने जा रही है, बल्कि कई अन्य बदलाव भी किए हैं, एस सी, एस टी, ओबीसी और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रावधान को भी खत्म करने का कार्य भाजपा कर रही है। प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, उपेंद्र थापली, प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल, सुनीता प्रकाश, पार्षद शुष्यंत वोहरा, वीरेंद्र बिष्ट, अर्जुन पासी, मुकिम अहमद भूरा ,प्रवक्ता डॉ प्रतिमा सिंह, नीनू सहगल, एस सी विभाग अध्यक्ष मदन लाल, पूनम कंडारी, मोहन काला, सुनीता प्रकाश, सुलेमान अली, सावित्री थापा, मंजू , करण घगट,सूरज छेत्री, प्रवीण कश्यप, सुनील जैसवाल, शिवांश जायसवाल, जमाल, ललित बद्री, वीरेंद्र पंवार, सुलेमान, सावित्री थापा, सुनील थपलियाल, अमनदीप आदि उपस्थित रहे।

आईआईटी रुड़की में हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएबीएसबी–2025 का समापन

देहरादून। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रूड़की) ने जैव प्रौद्योगिकी, जैव–प्रक्रिया तथा संरचनात्मक जीवविज्ञान में प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएबीएसबी–2025) का सफलतापूर्वक समापन किया। यह चार–दिवसीय वैश्विक वैज्ञानिक सम्मेलन बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (बीआरएसआई) के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 200 आमंत्रित वक्ताओं एवं 40 से अधिक देशों से आए 700 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन ने उन्नत जैव–विज्ञान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के एक प्रमुख केंद्र के रूप में आईआईटी रूड़की की भूमिका को और सुदृढ़ किया। उद्घाटन समारोह में अनेक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की सहभागिता रही, जिनमें प्रो. टी. पी. सिंह (विशिष्ट प्रोफेसर, एम्स, नई दिल्ली), प्रो. कैरल पोस्ट (पर्ड्यू विश्वविद्यालय, यूएसए), प्रो. सुधीर सोपोरी (अध्यक्ष, बीआरएसआई), प्रो. जोज़े टेइक्सेरा (मिन्हो विश्वविद्यालय, पुर्तगाल), प्रो. अशोक पांडे (सीएसआई आर– आई आई टीआर, लखनऊ), प्रो. के. के. पंत (निदेशक, आईआईटी रुड़की), डॉ. बिनोद परमेश्वरन (सीएसआई आर–एनआई आईएसटी, त्रिवेंद्रम) तथा संजीव सिंह (रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड) सहित देश–विदेश के अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शामिल रहे। इस अवसर पर आईसीएबीएसबी–2025 सार–संग्रह, बीआरएसआई वार्षिक पुस्तिका 2025 तथा टेलर एंड फ्रांसिस के नवीन वैज्ञानिक प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया।सम्मेलन के दौरान आयोजित बीआरएसआई पुरस्कार समारोह में वैज्ञानिक समुदाय की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर

प्रो. टी. पी. सिंह को विशिष्ट प्रोफेसर पुरस्कार तथा प्रो. प्रविंद्र कुमार को बीएचयू शताब्दी पुरस्कार सहित विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किए गए। चार दिनों तक चले सम्मेलन में जैव–ईंधन, जैव–प्रक्रिया, संरचनात्मक जीवविज्ञान, औषधि एवं टीका विकास, परिपत्र अर्थव्यवस्था में नवाचार, सतत कृषि तथा अन्य उभरते वैज्ञानिक क्षेत्रों पर उन्नत विषयगत सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि विद्यालयी छात्रों के लिए एक समर्पित संवादात्मक मंच उपलब्ध कराया गया, जहाँ उन्होंने अपने वैज्ञानिक कार्यो को अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय के समक्ष प्रस्तुत किया, जिससे अनुसंधान एवं नवाचार में प्रारंभिक सहभागिता को प्रोत्साहन मिला। प्रो. के. के. पंत, निदेशक, आईआईटी रूड़की ने कहा कि आईसीएबीएसबी–2025 यह दर्शाता है कि भारत किस प्रकार वैश्विक जैव–नवाचार परिदृश्य को आकार दे रहा है। आईआईटी रूड़की में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का यह संगम आत्मनिर्भर भारत, राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी विकास रणनीति तथा भारत की 300 अरब अमेरिकी डॉलर की जैव–अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण जैसे राष्ट्रीय अभियानों को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

प्रो. कैरल पोस्ट (पर्ड्यू विश्वविद्यालय, यूएसए) ने कहा कि आईसीएबीएसबी–2025 जैव प्रौद्योगिकी, जैव–प्रक्रिया और संरचनात्मक जीवविज्ञान के संगम पर वैज्ञानिक संवाद को आगे बढ़ाने का एक असाधारण मंच रहा है, जिसने वैश्विक सहयोग की महत्ता को और मजबूत किया है।

प्रोफ़ेसर संजय घोष, अध्यक्ष, आईसीएबीएसबी–2025 एवं प्रमुख, बीएसबीई, आईआईटी रूड़की ने कहा, "इस सम्मेलन ने जैव–प्रक्रिया, संरचनात्मक जीवविज्ञान और सतत जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अंतःविषय सहयोग को सशक्त किया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com